RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 185, मंगलवार, 18 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

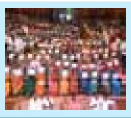

स्वतंत्रता दिवस पर 1,272 भूमिहीन परिवारों को मिला वासगीत पर्चा 03

शिक्षकों के सरप्लस ट्रांसफर पर यथास्थिति बनाएं रखें : हाईकोर्ट 04

सामंथा रुथ प्रभु की 100 करोड़ी फिल्म मां इंटी बंगारम सोनी लिव... 07

संक्षिप्त समाचार

अजनबियों को नहीं दी जा सकती है एसआईटी रिपोर्ट

● राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट में बोले एसजी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कोर्ट से कहा कि उन्हें भी जांच से जुड़ी रिपोर्ट दी जानी चाहिए, ताकि वे अदालत की मदद कर सकें। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- जांच रिपोर्ट ऐसे लोगों को नहीं दी जा सकती, जो मामले से सीधे जुड़े नहीं हैं। इस पर वकील ने कहा- हम अजनबी नहीं हैं। यह याचिका भारत की जनता की ओर से दायर की गई है। उन्होंने कहा- हमें सच जानने का मौलिक

अधिकार है। अगर जांच से जुड़ी जानकारी किसी आरोपी या जांच में मदद कर रहे व्यक्ति को दे दी गई और याचिकाकर्ताओं को इससे दूर रखा गया, तो वे अदालत की सहायता करने की स्थिति में नहीं रहेंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- एसआईटी का गठन हमने किया है। यह अदालत के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी है। इसे अपनी रिपोर्ट हमें ही सौंपनी होगी। एक फॉरेंसिक ऑडिटर वाली एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करे। रिपोर्ट को पहले हम देखेंगे। उसके बाद तय करेंगे कि इसे सभी पक्षों को सौंपा जाए या नहीं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें चढ़ावा चोरी की सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

पहले विजय विश्वास पंत की एसआईटी ने जांच की थी

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित एसआईटी की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे, जिसमें आईजी लखनऊ रेंज बतौर सदस्य शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद नई एसआईटी बनाकर आईजी लखनऊ रेंज किरण एस को इसका अध्यक्ष बनाया गया। जबकि, अयोध्या के सोमेन वर्मा और अयोध्या के गौरव ग्रोवर को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

रूस का यूक्रेन पर मिसाइल हमला

● भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल के स्टील प्लांट को निशाना बनाया, 2 की मौत

मास्को (एजेंसी)। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय अरबपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आर्सेलरमित्तल के स्टील प्लांट पर मिसाइल हमला किया। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 13 कर्मचारी व ठेकेदार घायल हुए हैं। यह यूक्रेन का सबसे

बड़ा स्टील प्लांट है। हमले के बाद प्लांट में प्रोडक्शन का कुछ काम रोकना पड़ा। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। हमले के बाद दमकलकर्मी, बचाव दल और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव का काम जारी है। इस प्लांट पर पहले भी हमला कर चुका है।

जवाब में यूक्रेन का रूस पर ड्रोन अटैक

यूक्रेन ने रूस के मॉस्को क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव के मुताबिक, हमले में 83 साल के एक व्यक्ति की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। हमले में रूस की बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के एक वेयरहाउस में भी आग लग गई।

कारें-बाइकें डूबीं, शहर की गलियों में चल रही हैं नावें

● भीषण बाढ़-बारिश से यूपी-ओडिशा के बिगड़े हालात ● प्रयागराज में लोगों के घरों में घुसा 3 फीट तक पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, ओडिशा के केंद्रपाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी एससी/एसटी आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू

टीम वहां नहीं पहुंच सकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में इस मानसून 187 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 जून से 16 अगस्त के बीच 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने और करंट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में हुईं, जबकि 107 लोगों की जान सड़क हादसों में गई। राज्य में 294 लोग घायल और 31 अब भी लापता हैं।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत

ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई। हादसा रविवार रात जलेश्वर ब्लॉक के कपासुड़ा गांव में हुआ।

एनएच-53 का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंसा

ओडिशा के केंद्रपाड़ा में एनएच-53 का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंस गया। यह हाईवे पारादीप पोर्ट को जाजपुर से जोड़ता है। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ये जिले बैतरणी, ब्राह्मणी, सालंदी, जलका और बुधबलंगा नदियों में आई बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

नितिन नवीन की टीम में राम माधव-स्मृति की वापसी

वसुंधरा राजे को बड़ी जिम्मेदारी, दक्षिण-पूर्व के चेहरों को मौका

2027 के विधानसभा रण से पहले भाजपा की नई टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया है। इस संगठनात्मक फेरबदल में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में इन दोनों दिग्गजों की एक बड़ी संगठनात्मक वापसी माना जा रहा है। इसके साथ ही इस नई टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। इस नई सूची में राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांडा, और मनप्रीत सिंह बादल जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं विनोद तावड़े और सुनील बंसल जैसे प्रमुख चेहरे भी संगठन की नई टीम में बरकरार रखे गए हैं।

13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष 8 राष्ट्रीय महामंत्री

बीजेपी की नई टीम में एम नागराजा, लाल सिंह आर्य, वर्षाबेन दोशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। बैजयंत जय पांडा, रेखा वर्मा, मधुचंद्र इस टीम में बरकरार हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारती पवार, मनप्रीत सिंह बादल, तारिक मंसूर को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। बीजेपी ने बीएल संतोष को राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर बरकरार रखा।

नितिन नवीन की टीम में 12 महिलाएं, यूपी से 3

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में 12 महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें वसुंधरा राजे, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन दोशी, डॉ. भारती पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी, कविता पाटीदार, फांग्नोन कोन्यक और संगीता यादव राष्ट्रीय मंत्री बनी हैं। इसके अलावा रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा अध्यक्ष और प्रीति गांधी को सोशल मीडिया सह-संयोजक की जिम्मेदारी मिली है। सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश की 3 महिलाओं का है, जबकि महाराष्ट्र की 2 और बाकी राज्यों की 1-1 महिला हैं।

बिहार-बंगाल में हादसा 15 लोगों की हुई मौत

बिहार लखीसराय में मची भगदड़, 7 महिलाओं की मौत

मंदिर में जुटे थे श्रद्धालु, करंट फैलने की उड़ी अफवाह

लखीसराय (एजेंसी)। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था। पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं। चार मृतकों की पहचान हुई है। इनमें लखीसराय की मधुबाला देवी, मनमाला देवी, हेमलता देवी और मुंगेर की रिंकू देवी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

बंगाल में शॉर्ट सर्किट से हादसा, 8 लोगों की चली गई जान

बीरभूम (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के एसपी विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है।

सीबीआई को जांच के लिए आदेश क्यों चाहिए

● सुप्रीम कोर्ट बोला-हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगाई ● राहुल गांधी की आय से अधिक संपत्ति का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगा दी है। सीबीआई और ईडी को भी निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। सीबीआई अभी सिर्फ एक शिकायत की जांच कर रही है। बेंच ने पूछा कि अगर मामला इतना गंभीर है, तो सीबीआई-ईडी को जांच के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है।

हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा था नया हलफनामा

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया था। कोर्ट ने एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी को जांच की अब तक की स्थिति बताते हुए नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई का पहले दाखिल किया गया हलफनामा उसके पुराने आदेश के मुताबिक नहीं था।

महाकाल परिसर के नागचंद्रेश्वर मंदिर में भगदड़ जैसे हालात

● 13 लोग घायल, कई बेहोश; कतार में खड़े थे 40 हजार श्रद्धालु

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को भगदड़ जैसे हालात बन गए। बताया जा रहा है कि यहां करंट फैलने की अफवाह फैली थी। लोग-एक दूसरे के ऊपर गिर गए। दबाव बढ़ने से 13 लोगों को चोट आई है। प्राथमिक इलाज के बाद 3

को छोड़कर सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यहां नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब 40 हजार श्रद्धालु लाइन में लगे हैं। अब तक करीब 5.50 लाख श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। यह मंदिर महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर है। यह नागपंचमी के दिन ही खोला जाता है। जिन श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी उन्हें उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली है।

अन्नपूर्णा योजना, बांग्लादेश सीमा पर बाड़ के लिए दी जमीन

● मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाना, आईटीबीपी का भी बनेगा भवन

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में बीजेपी की सरकार 100 दिन पूरे करने वाली है। चुनाव में किए गए वादे के मुताबिक, नई राज्य सरकार ने अन्नपूर्णा योजना भी शुरू की है। वादे के अनुसार, महिलाओं को इस योजना के तहत अब 3,000 रुपये मिल रहे हैं। जो पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय लक्ष्मी भंडार योजना के तहत मिलने वाले 1500 रुपये से दोगुनी रकम है। साथ ही राज्य में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाने जैसा अहम कदम भी उठाया है।

100 दिन पूरे होने से पहले बंगाल में शुभेंदु सरकार ने कई वादे कर दिए पूरे

बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए सौंपी जमीन

नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से उजागर की जाने वाली पहली उपलब्धि पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ राज्य के अलग-अलग जिलों में बिना बाड़ वाली सीमाओं पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को जमीन सौंपने की प्रक्रिया का लगभग पूरा होना होगा।

आईटीबीपी बटालियन मुख्यालय को 110 एकड़ जमीन

इसके अलावा राज्य मंत्रिमंडल ने लगभग 362 एकड़ जमीन के ट्रांसफर को मंजूरी दे दी है। नतीजतन आईटीबीपी को दी गई जमीन की मात्रा 1,100 एकड़ से अधिक हो गई है। इसके अलावा सीमा सुरक्षा के लिए दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिलों में सशस्त्र सीमा बल (बीएसएफ) को 44 एकड़ से अधिक जमीन दी गई है।

बैंकिंग सुधारों के लिए जल्द बनेगी हाई-लेवल कमेटी

● वित्त मंत्री ने कहा-बैंकों का एनपीए सबसे निचले स्तर पर ● निर्मला सीतारमन बोलीं-विकसित भारत लक्ष्य पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार जल्द ही बैंकिंग सेक्टर में सुधारों के लिए अपनी हाई-लेवल कमेटी का ऐलान करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय पीएसबी कॉन्फ्लुएंस 2026 के पहले दिन यह घोषणा की। वित्त मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, इस कमेटी का गठन इसी महीने किया जा सकता है। इस

हाई-लेवल कमेटी को गठित करने का प्रस्ताव सबसे पहले केंद्रीय बजट 2026-27 में रखा गया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर हाई-लेवल कमेटी बनाने के प्लान का ऐलान किया था। इसका मुख्य मकसद बैंकिंग सेक्टर को देश के आर्थिक विकास के लक्ष्यों के अनुरूप ढालना और समीक्षा करना है।

2047 के विकसित भारत लक्ष्य पर फोकस रहेगा

वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह पैनल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में बैंकों की भूमिका पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि कमेटी विकसित भारत की ओर बैंकों की भूमिका की समीक्षा करेगी। साल 2047 अब बहुत दूर नहीं है।

पटना के 90 फीट बाईपास पर सड़क हादसा, 4 घायल

रॉन्ग साइड से आ रहे थे तीन बाइक सवार, बुजुर्ग को बचाने में पिलर से टकराए

एजेंसी, पटना

पटना के पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के 90 फीट बाईपास पर सोमवार सुबह पिलर नंबर 19 के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक सवार तीन युवकों की बाइक अचानक सामने आए बुजुर्ग को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर पिलर से जा टकराई। इस हादसे में तीन युवकों समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रहे थे तीन युवकः प्रत्यक्षदर्शी सुधा देवी के मुताबिक, बाइक नंबर BR 01JB 2655 पर तीन युवक सवार थे। बताया जा रहा है कि वे रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रहे थे। इसी दौरान एक बुजुर्ग अचानक बाइक के सामने आ गए। बुजुर्ग को बचाने के लिए बाइक चालक ने अचानक ब्रेक लगाया। इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर पिलर नंबर 19 से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर बेसुध हो गए। हादसे में बुजुर्ग भी घायल हो गए।

मौके पर पहुंचे घायलों के परिजनः राजेंद्र नगर निवासी अशोक राम ने बताया कि हादसे में उनका 19 वर्षीय बेटा अक्षय कुमार भी घायल हुआ है। अशोक राम पटना नगर निगम में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह वह कूड़ा उठाने के लिए निकले थे। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लगी थी। जब वे वहां पहुंचे तो पता चला कि उनका बेटा भी दुर्घटना में घायल है। अशोक राम अपने बेटे को इलाज के लिए फोर्ड अस्पताल लेकर पहुंचे। उनके मुताबिक अक्षय के साथ घायल एक अन्य युवक की पहचान बिपिन (25) के रूप में हुई है, जो राघोपुर दियारा का रहने वाला बताया जा रहा है। उसके परिजन अभी अस्पताल नहीं पहुंचे हैं।

एक घायल PMCH रेफर, बुजुर्ग निजी अस्पताल में भर्तीः हादसे में घायल दो अन्य युवकों में से एक को परिजन इलाज के लिए PMCH ले गए हैं। बताया गया कि पहले उसे बाईपास स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने PMCH रेफर कर दिया। वहीं, हादसे में घायल बुजुर्ग को पास के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौके पर पुलिस बल तैनातः हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पत्रकार नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। हादसे में घायल युवकों के परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद वहां भी अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस घायलों की पूरी पहचान और दुर्घटना की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है।

'मैं प्रशांत किशोर...' विधायक पद की शपथ ली

एजेंसी, पटना

❑ विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार के चैंबर में हुआ समारोह, 30 साल बाद भाजपा हारी है बांकीपुर

जन सुराज के सूत्रधार और बांकीपुर से नव निर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर ने आज विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने प्रशांत किशोर को विधायक पद की शपथ दिलाई। यह शपथ ग्रहण समारोह विधानसभा भवन में अध्यक्ष के चैंबर में सुबह 11 बजे आयोजित किया गया। इस दौरान बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, जन सुराज के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने 3 अगस्त को जीत दर्ज की थी। उन्होंने भाजपा के नीरज कुमार को 19,246 वोटों से हराया।

32 राउंड की मतगणना के बाद प्रशांत किशोर को 64,117 वोट (49.23%) मिले, जबकि भाजपा के नीरज कुमार को 44,794 वोट (34.4%) मिले। राजद की रेखा गुप्ता 14,263 वोट (10.95%) के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस जीत के साथ भाजपा को बड़ा झटका लगा। बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट रही है। करीब 30 साल बाद भाजपा के हाथ से यह सीट निकल गई।

पीके का 10 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्यः विधायक बनने के बाद प्रशांत किशोर ने अपने क्षेत्र के 10 हजार युवाओं को रोजगार दिलाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इसके लिए बांकीपुर के युवाओं से अपना CV और बायोडाटा जमा करने की अपील की है। पीके ने कहा कि जिन युवाओं ने पढ़ाई पूरी कर ली है, लेकिन अभी तक नौकरी नहीं मिली है, वे अपना CV और बायोडाटा उनके कार्यालय में जमा करें। उनका लक्ष्य अगले एक-दो साल में कम से कम 10 हजार बेरोजगार युवाओं तक रोजगार पहुंचाना है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में 6-7 राउंड फायरिंग, 2 लोग घायल लाइन होटल में खाने के बिल पर विवाद

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में कुशहर पेट्रोल पंप के पास रविवार-सोमवार की देर रात एक लाइन होटल में खाने के बिल के भुगतान को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान 6-7 राउंड गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान छतवारा गांव निवासी सतीश कुमार गुप्ता (56), पिता स्व. रामपरीछन साह, और राजीव कुमार (33), पिता स्व. प्रफुल साह, के रूप में हुई है। दोनों को गोली लगने के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र में कुशहर पेट्रोल पंप के पास रविवार-सोमवार की देर रात खाने के बिल को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक हो गया। कुशहर स्थित एक लाइन होटल में खाना खाने पहुंचे कुछ लोगों और संचालक के बीच भुगतान को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया और इसके बाद करीब 6-7 राउंड फायरिंग कर दी गई। गोलियों की आवाज से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में छतवारा गांव निवासी सतीश कुमार गुप्ता (56) और राजीव कुमार (33) गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल की जांच के दौरान कई खोखे बरामद किए हैं। पुलिस अब होटल संचालक, कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ कर गोली चलाने वालों की पहचान करने में जुटी है। होटल संचालक के रिश्तेदार रंजन कुमार ने बताया कि खाने के बाद पैसे के भुगतान को लेकर युवकों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं, जिनकी चपेट में उनके चाचा और भाई आ गए। रंजन ने दावा किया कि वह हमलावरों को चेहरे से पहचानता है, लेकिन उनके नाम की जानकारी नहीं है।

बाबा हरिहरनाथ मंदिर में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, सावन की तीसरी सोमवारी पर भक्तों की 1 किमी लंबी लाइन

हाजीपुर। सोनपुर स्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर में श्रावण माह की तीसरी सोमवारी पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सोमवार को बिहार सरकार द्वारा मंदिर परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। आसमान से बरसते फूलों को देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन में इस क्षण को कैद करते नजर आए। मंदिर परिसर और आसपास का इलाका 'बोल बम', 'हर-हर महादेव' और 'बाबा हरिहरनाथ की जय' के जयघोष से गूंज उठा। तीसरी सोमवारी के अवसर पर बाबा हरिहरनाथ के जलाभिषेक का सिलसिला देर रात से सोमवार तक जारी रहा। अनुमान है कि इस दौरान लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने जल अर्पित किया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मंदिर परिसर में पैर रखने की भी जगह मुश्किल से मिल रही थी। भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुगम तरीके से जलाभिषेक कराने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर कमेटी ने विशेष व्यवस्था की है। मंदिर परिसर में अर्घ्या स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु जल अर्पित कर रहे हैं। यह जल सीधे बाबा हरिहरनाथ के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग तक पहुंच रहा है। इससे श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश किए बिना जलाभिषेक करने की सुविधा मिल रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए स्थानीय एवं जिला प्रशासन ने बड़ी संख्या में पुलिस बल, पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेट को तैनात किया है। मंदिर परिसर से लेकर आसपास के प्रमुख मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। तीसरी सोमवारी पर उमड़ी भारी भीड़ के बीच पूरा सोनपुर बाबा हरिहरनाथ की भक्ति में शिवमय नजर आया।

राघोपुर दियारा में ढाब से अज्ञात शव बरामद, पुलिस ने जांच शुरू की, पहचान के प्रयास जारी

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड स्थित राम श्यामचंद पंचायत के रामपुर भट्ठी, मीरमपुर दियारा में एक ढाब से पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। यह शव मौनी बाबा के मठ के समीप मिला।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने ढाब में शव देखकर राघोपुर थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव दियारा क्षेत्र तक कैसे पहुंचा, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में भी मृतक की पहचान के लिए जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा।

पहलेजा घाट से 70 किमी डाक कांवर यात्रा, बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचे 10 हजार श्रद्धालु

हाजीपुर। सावन माह की तीसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। वैशाली के डाक कांवरिया पहलेजा घाट से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल भरकर मुजफ्फरपुर स्थित बाबा गरीबनाथ धाम के लिए 70 किलोमीटर की पैदल यात्रा शुरू करेंगे। ये कांवरिया बिना रुके, निर्धारित नियमों और श्रद्धा के साथ यात्रा पूरी कर बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करेंगे। तीसरी सोमवारी के मद्देनजर पहलेजा घाट से हाजीपुर, भगवानपुर, सराय और मुजफ्फरपुर तक कांवरियों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। कांवरियों के जत्थे 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ यात्रा करेंगे। शिवभक्तों ने यात्रा के लिए पहले से ही तैयारियां कर ली हैं। मार्ग में कई स्थानों पर सेवा शिविर लगाए जाएंगे, जहां पेयजल, फल, शरबत और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था होगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि बाबा गरीबनाथ के दरबार में जल चढ़ाने की उनकी मनोकामना और गहरी आस्था ही उन्हें इतनी लंबी दूरी तय करने की शक्ति देती है। गंगा जल लेकर पैदल चलने वाले कांवरियों के लिए यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि एक कठिन तपस्या के समान है। तीसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने कांवरिया मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए तैयारियां की हैं। मंदिर में भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से दर्शन कराने की व्यवस्था की जाएगी। सावन की तीसरी सोमवारी पर पूरा कांवरिया मार्ग 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठेगा।

रोड एक्सीडेंट में बेटी की मौत, पिता की हालत गंभीर, एग्जाम दिलाने शहर जा रहे थे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना कांटी थाना क्षेत्र के नेता चौक के पास की है। मृतका की पहचान साहेबगंज इलाके के रसूलपुर निवासी जूली यादव(25) के तौर पर हुई है। घायल पिता विजय यादव का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वासुदेवपुर सराय में ग्राम कचहरी सचिव के पद पर कार्यरत हैं। जानकारी के अनुसार बेटी जूली को बीसीए की एग्जाम दिलाने के लिए बाइक से मुजफ्फरपुर शहर लेकर जा रहे थे। जैसे ही पिता-पुत्री नेता चौक मार्ग पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। दोनों गाड़ी से नीचे गिर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना तुरंत डायल 112 पुलिस टीम को दी गई। स्थानीय प्रकाश कुमार और उनके सहयोगियों ने पुलिस की मदद से घायल तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। वहीं, कांटी थानेदार रविकांत पाठक ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवती की मौत हुई है और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। दोनों की पहचान कर ली गई है। परिजनों के पहुंचते ही शव को कब्जे में लेकर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर फरार वाहन की तलाश कर रही है।

राजगीर में आरएलएम का 'विमर्श शिविर' 20 से 22 अगस्त तक चलेगा मंथन

एजेंसी, पटना

♦ शिक्षा सुधार और संगठन विस्तार पर होगी चर्चा

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने आज सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 20, 21 और 22 अगस्त को राजगीर में पार्टी का तीन दिवसीय 'विमर्श शिविर' आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में पार्टी की आगे की रणनीति और संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा होगी। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'विमर्श शिविर में पार्टी के कामकाज, अब तक के अनुभव और आगे की दिशा को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों से सुझाव लिए जाएंगे।'

कुशवाहा ने कहा, पार्टी के संगठन का विस्तार भी शिविर के प्रमुख मुद्दों में शामिल है। अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाने पर चर्चा होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि तीन दिवसीय शिविर में पार्टी से जुड़े सभी लोगों को नहीं बुलाया गया है। इसमें सिर्फ जिला अध्यक्षों और प्रदेश के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। शिविर के दौरान इस बात पर भी मंथन होगा कि पार्टी से नए लोगों को किस तरह जोड़ा जाए और संगठन का विस्तार किस तरीके से किया जाए।

पटना के रेवा नहर में मिला अज्ञात युवक का शव, डूबने से मौत की आशंका, अब तक नहीं हुई पहचान

एजेंसी, पटना

पटना जिले के मनेर तेलपा गांव के पास सोमवार को रेवा नहर से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मामला पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत बिक्रम थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों की नजर पड़ी तो पुलिस को दी सूचनाः जानकारी के मुताबिक, कुछ ग्रामीण नहर के किनारे से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में तैरते शव पर गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बिक्रम थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। प्रथम दृष्टया पुलिस को युवक की मौत डूबने से होने की आशंका है। शरीर पर फिलहाल किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं।

मृतक की नहीं हो सकी है पहचानः पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष प्रतीत हो रही है। युवक ने भूरे रंग की गंजी और काले रंग का हाफ पैंट पहन रखा था। पहचान के लिए आसपास के थानों को भी सूचना दी गई है। पुलिस स्थानीय स्तर पर भी युवक के बारे में जानकारी जुटा रही है।

♦ पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पानी के बहाव में बहकर पहुंचने की आशंकाः थानाध्यक्ष प्रभात कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया गया है। पुलिस मृतक की पहचान कराने में जुटी है। थानाध्यक्ष के मुताबिक, नहर में पानी का बहाव तेज है। आशंका है कि युवक कहीं और डूबा होगा और पानी के तेज बहाव में बहते हुए उसका शव मनेर तेलपा गांव के पास आकर फंस गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और समय का स्पष्ट पता चल सकेगा।

गंगा किनारे युवक को बुलाकर मारीं 4 गोलियां गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज जारी

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा नदी के किनारे सोमवार को दिनदहाड़े एक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गई। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल की पहचान अकबरपुर रोड निवासी रौशन पांडेय उर्फ करका बाबा के रूप में हुई है। घटना बाढ़ थाना क्षेत्र के पछियारी मलाही गांव की है।

बहाने से गंगा किनारे बुलाया, पहुंचते ही बरसाईं गोलियांः घायल रौशन पांडेय के मुताबिक, दो अज्ञात युवकों ने उसे किसी बहाने से गंगा किनारे बुलाया था। वहां पहुंचते ही दोनों ने अचानक उस पर फायरिंग शुरू कर दी। रौशन ने बताया कि हमलावरों ने करीब 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं। गोली लगने के बाद वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। युवक को गंभीर हालत में पड़ा देख स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे बाइक से बाढ़ अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे हैं।

पुलिस ने शुरू की छानबीनः घटना की सूचना मिलते ही बाढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर घायल युवक और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। हमले के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

आपराधिक विवाद का शक, हमलावर फरार

घायल पहले जा चुका है जेलः पुलिस के मुताबिक, घायल रौशन पांडेय के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं और वह पूर्व में जेल भी जा चुका है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले को आपराधिक विवाद से जोड़कर जांच कर रही है। गोलीबारी में इस्तेमाल हथियार और हमलावरों तक पहुंचने के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास की जानकारी भी जुटा रही है।

'70वीं बीपीएससी रद्द नहीं हुई तो फिर होगा बिहार बंद'

एजेंसी, पटना

70वीं BPSC को रद्द कराने की मांग के लेकर पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी अभ्यर्थियों का समर्थन किया है। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर गर्दनीबाग धरना स्थल पर हड़ताल पर बैठे थे।

उन्होंने सरकार को चेताया कि अगर मांगे पूरी नहीं होती है तो फिर से बिहार बंद होगा। पटना के गर्दनीबाग में 'ऑल Ph.D. होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के बैनर तले कैंडिडेट्स पिछले 13 दिनों से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे हैं। सहायक प्राध्यापक बहाली में UGC Regulation 2018 के Table 3A लागू करने, बिहार में डोमिसाइल नीति प्रभावी करने और 70वीं BPSC परीक्षा निरस्त करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर उपवास कर रहे हैं।

पटना यूनिवर्सिटी के छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर ने कहा,' सभी लोग जानते हैं कि पटना के गर्दनीबाग में हमारे साथी लगातार भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। सरकार को इस पर अकाउंटिबिलिटी लेनी चाहिए। हमारी लड़ाई यूं ही जारी रहेगी। आपके सहयोग से ही लिए लड़ाई मजबूत होगी और बिहार सरकार को झुकना होगा। 70वीं BPSC को रद्द करने को लेकर हमारी मांगे पूरी करनी होगी।'

6 जिलों में तेज बारिश 19 में अलर्ट जारी

एजेंसी, पटना

बिहार के कई जिलों में मोसम बदला हुआ है। पटना में सोमवार दोपहर तेज बारिश हुई। महज 40 मिनट की बारिश में राजधानी के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई। करबिगहिया इलाके में सड़क पर 3 फीट तक पानी भर गया। पटना के अलावा, गया, जमुई बेतिया, पूर्णिया, सुपौल और कटिहार में भी बारिश हुई, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने राज्य के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। 19 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

बिहार में 20 अगस्त तक तेज आंधी-बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर क्षेत्र बन रहा है। जिससे पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी है। इसका असर बिहार पर भी पड़ सकता है। बीते 24 घंटे में पटना, गया और समस्तीपुर में भी उमस भरी गर्मी से लोग परेशान दिखें। बिहार में अब तक सामान्य से 38% कम बारिश दर्ज की गई है। अबतक 405 mm बारिश हुई है, जबकि 680 mm वर्षा होनी चाहिए थी। इधर, पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मुंगेर में दो इलाकों में गंगा का पानी खतरे के निशान को पार कर चुका है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। मौसम में बदलाव की मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तट के पास बना कम दबाव का क्षेत्र है।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की, हरिगिरीधाम में रात से लगी रही कतार

एजेंसी, पटना

आज सावन की तीसरी सोमवारी है। सोमवारी और नाग पंचमी का दुर्लभ संयोग बना है। शिव मंदिरों में सुबह से ही जलाभिषेक के लिए लंबी कतार लगी रही। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर और बाबा बासुकीनाथ धाम में विधिवत दर्शन-पूजन कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि बाबा की कृपा सभी पर बनी रहे और हर घर में सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति का वास हो। बाबा धाम में तीसरी सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखा जा राह है। कांवरियों की कतार नंदन पहाड़ से आगे बढ़कर कुमैठा तक पहुंच गई। यह रूट लाइन करीब 9 से 10 किलोमीटर लंबी रही।

सावन के कृष्ण, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि नाग देवता को समर्पितः ज्योतिषाचार्य राकेश झा ने गरुड़ पुराण के हवाले से बताया कि सावन के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि नाग देवता को समर्पित है। नागों के प्रजातियो में अनंत, वासुकि, शेष, पद्मनाभ, कंबल, कर्कोटक, अश्व, धृतराष्ट्र, शंखपाल, कालीय तथा तक्षक प्रमुख है। देवी भागवत में प्रमुख नागों का नित्य स्मरण किया गया है। ऋषि-मुनियों ने नागोपासना में अनेक व्रत-पूजन का विधान बताएं है। नाग पंचमी का पर्व नागों के साथ जीव के प्रति सम्मान, उनके संवर्धन एवं संरक्षण की प्रेरणा देता है। यह बल, पौरुष, ज्ञान, वृद्धि एवं तर्क शक्ति के परीक्षण का पर्व है।

नाग पूजन से मिलेगी कालसर्प से मुक्तिः आज मिट्टी या आटे का सर्प बनाकर उन्हें विभिन्न रंगों से सजाकर फूल, खीर, दूध, लावा, धुप, दीप आदि से उनकी पूजा होगी। आज के दिन सर्प के प्रकोप से बचने के लिए नाग पंचमी की पूजा की जाती हैं। जिन लोगों की कुंडली में कालसर्प दोष है उन्हें आज नाग देवता की पूजा करनी चाहिए। नाग पूजा के बाद "ॐ भुजंगेशाय विद्महे, सर्पराजाय धीमहि, तन्नो नागः प्रचोदयात्" मंत्र से इनकी प्रार्थना करने से सर्पदोष एवं कालसर्प दोष के मुक्ति मिलती है। उत्तरी भारत में नाग पंचमी के दिन मनसा देवी की भी पूजा की जाती है। देवी मनसा को नागों की देवी माना गया है। इसलिए बंगाल, उड़ीसा और अन्य क्षेत्रों में मनसा देवी के दर्शन व उपासना का विधान है। नागपंचमी पर रुद्राभिषेक का भी अत्यंत महत्व है। पुराणों के अनुसार पृथ्वी का भार शेषनाग ने अपने सिर पर उठाया हुआ है इसलिए उनकी पूजा का विशेष महत्व है। ये दिन गरुड़ पंचमी के नाम से भी प्रसिद्ध है और नाग देवता के साथ इस दिन गरुड़ की भी पूजा की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

महावीरी झंडा जुलूस के दौरान नगर क्षेत्र का अधिकारियों ने किया भ्रमण

बीएनएम@ मोतिहारी। महावीरी झंडा जुलूस को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सोमवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी ने महावीरी झंडा जुलूस के मद्देनजर नगर थाना क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने जुलूस के मार्ग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। पुलिस बल द्वारा जुलूस के मार्ग पर लगातार गश्त की गई। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि विधि-व्यवस्था में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कॉल के बाद छह ट्रांजेक्शन में खाते से निकले 56,175, नगर थाने में शिकायत

बीएनएम@ मोतिहारी। साइबर ठगी के एक मामले में बलुआ टाल निवासी अखिलेश्वर प्रसाद सिंह ने नगर थाने में आवेदन देकर उनकी पत्नी के आईडीबीआई बैंक खाते से 56,175 की अवैध निकासी की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, घटना के दौरान उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल के कुछ ही देर बाद बैंक खाते से छह अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 56,175 निकाल लिए गए। उनका कहना है कि उन्होंने किसी लिंक पर क्लिक नहीं किया और न ही ओटीपी, पासवर्ड या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा की। आवेदन में उन्होंने संबंधित मोबाइल नंबर तथा सभी बैंक लेनदेन का विवरण पुलिस को उपलब्ध कराते हुए तकनीकी जांच और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। साथ ही निकाली गई राशि वापस दिलाने तथा दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की अपील की है। नगर थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मोबाइल नंबर और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दहेज हत्या मामले के प्राथमिक अभियुक्त सूरज पंडित ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम@ मलाही। दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे प्राथमिक अभियुक्त सूरज पंडित ने सोमवार को पुलिस दबिश के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मलाही थाना क्षेत्र के ममरखा गांव निवासी भोला पंडित का पुत्र है। मलाही थाना कांड संख्या 234/26 (दहेज हत्या) में सूरज पंडित को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस की लगातार कार्रवाई और दबिश के कारण उसने 17 अगस्त 2026 को माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण के बाद आरोपी के विरुद्ध मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। दहेज हत्या से जुड़े इस मामले में पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

महावीरी झंडा जुलूस को लेकर चौक-चौराहों पर मुस्तैद रही पुलिस

बीएनएम@ मोतिहारी। महावीरी झंडा जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सोमवार को मोतिहारी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस बल को चौक-चौराहों, जुलूस मार्गों एवं प्रमुख प्रतिमाओं के आसपास तैनात किया गया। पुलिस की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, जुलूस के दौरान नगर थाना, छतौनी, केसरिया, रक्सौल, पीपराकोठी, हरसिद्धि, कुण्डवाचैनपुर, चकिया, लखौरा, सुगौली, अरेराज, पिपरा, जयबजरंग, आदापुर एवं पहाड़पुर समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान सक्रिय रहे। पुलिस टीमों ने जुलूस के मार्गों पर पैदल भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से महावीरी झंडा जुलूस निकालने और आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने कहा कि पर्व के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

महावीरी झंडे की गूंज से भक्तिमय हुआ बलुआ फील्ड

मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बीएनएम@ योगापट्टी। प्रखंड के बलुआ भवानीपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर पांच स्थित बलुआ फील्ड में भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले के साथ महावीरी झंडा भी निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। महावीरी झंडा जुलूस के दौरान जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय

माहौल में डूब गया।महावीरी झंडा जुलूस में युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं,बलुआ फील्ड में लगे मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें, खाने-पीने के स्टॉल और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र बने रहे। बच्चों में मेले को लेकर खास उत्साह देखा गया, जबकि युवाओं और महिलाओं ने भी मेले का आनंद लिया। महावीरी झंडा, मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर पूरे बलुआ भवानीपुर पंचायत क्षेत्र में दिनभर चहल-पहल बनी रही। आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में आपसी भाईचारे, धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल कायम किया।

भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

» श्रमिकों की लंबित मांगों का हो समाधान'
» प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया

बीएनएम@ गयाजी। श्रमिक और कर्मियों की लंबित मांगों के तत्काल समाधान हेतु राष्ट्रव्यापी आंदोलनात्मक कार्यक्रम के तहत निर्धारित धरना स्थल (गाँधी मैदान के समीप) पर भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। धरना के उपरांत मांगों से युक्त ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम

से प्रधानमंत्री को सौंपा गया। भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष अग्निदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा, श्रम की गरिमा, श्रमिकों के हितों की रक्षा, उचित पारिश्रमिक, काम की बेहतर स्थितियों और कर्मचारियों तथा उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर भारतीय मजदूर संघ संजीदा है। इसलिए, भारतीय मजदूर संघ की 161वीं केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में लिए गये निर्णय के आलोक में 17 अगस्त को देशव्यापी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसके आलोक में धरना दिया गया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ की गया जिला इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष शकील अहमद, जिला मंत्री विपिन कुमार वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश कुमार सिंह, ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स आर्गेनाइजेशन के महासचिव राहुल वत्स, बिहार ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, महासचिव कुणाल कुमार, आंचलिक सचिव लव कुमार सहित बिनेश्वर पंडित, नवीन कुमार, धर्मेंद्र कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर 1,272 भूमिहीन परिवारों को मिला वासगीत पर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में 1,272 भूमिहीन परिवारों के बीच भूमि बंदोबस्ती परवाना एवं वासगीत पर्चा वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना-जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह पूर्वी चंपारण के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने की। यह वितरण राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की महत्वाकांक्षी योजना 'अभियान बसेरा-2' के तहत किया गया। योजना का उद्देश्य गरीब एवं भूमिहीन परिवारों को 3 से 5 डिसमिल आवासीय भूमि उपलब्ध कराकर उन्हें स्थायी वास स्थल का अधिकार देना है। समारोह में सांसद संजय जायसवाल, विधायक शालिनी मिश्रा, श्यामबाबू प्रसाद यादव, लालबाबू प्रसाद गुप्ता, सचिन्द्र प्रसाद सिंह, राजेश कुमार उर्फ बबलु गुप्ता, प्रमोद कुमार सिन्हा एवं विशाल कुमार मौजूद रहे। वहीं जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंह तथा सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा सहित कई प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से 1,272 लाभार्थी परिवारों को आवासीय भूमि का अधिकार प्रदान किया गया, जिससे उनके स्थायी आवास के सपने को नई दिशा मिली।

जनता दरबार में सुनी गईं आम लोगों की समस्याएं

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा के निर्देश पर सोमवार को समाहरणालय परिसर में अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से संबंधित आवेदन अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। जनता दरबार में भूमि विवाद, राजस्व, दाखिल-खारिज, अतिक्रमण, पेंशन, राशन, आवास, सड़क, बिजली, नल-जल सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामले सामने आए। अपर समाहर्ता ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित पदाधिकारियों को प्रत्येक आवेदन की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अपर समाहर्ता नेजनता दरबार में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा करने तथा संबंधित विभागों से कार्रवाई प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

जिहुली, पताही व पदुमकेर समेत विभिन्न गांवों में हर्षोल्लास से मनाया गया महावीरी झंडा

बीएनएम@ पताही (पूर्वी चंपारण)

पताही प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को महावीरी झंडा का पर्व श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। जिहुली, पताही, पदुमकेर समेत विभिन्न गांवों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़ी। जगह-जगह महावीरी झंडा स्थापित कर विधिवत पूजा की गई। जिहुली पंचायत का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवाओं ने भाग लिया। पताही, पदुमकेर तथा अन्य गांवों में भी धार्मिक कार्यक्रमों और पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ पर्व मनाया गया। श्रद्धालुओं ने महावीर जी की पूजा कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दिनभर झंडा स्थलों पर भक्तों की आवाजाही और धार्मिक माहौल बना रहा। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार पुलिस बल के साथ लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे। प्रमुख झंडा स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। पुलिस की मुस्तैदी के बीच पूरा पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

तीसरी सोमवारी व नागपंचमी पर मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बीएनएम@ मोतिहारी

श्रावण मास की तीसरी सोमवारी और नागपंचमी के पावन संयोग पर मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आश्रम में स्थापित पाँच लाख रुद्राक्ष से निर्मित गोल्ड प्लेटेड शिवमुख आकृति वाले शिवलिंग पर भक्तों ने रुद्राभिषेक और जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि व मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। आश्रम के आचार्य डॉ. शम्भनाथ सीकरिया ने बताया कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को प्रातः 8 बजे निःशुल्क रुद्राभिषेक कराया जाता है। श्रद्धालु अपनी पूजन सामग्री ला सकते हैं, वहीं आश्रम की ओर से हरिद्वार का गंगाजल और बेलपत्र भी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि नागपंचमी, तीसरी सोमवारी और महावीरी झंडा का यह संयोग अत्यंत शुभ माना जाता है। श्रद्धापूर्वक भगवान शिव की आराधना, माता पार्वती का व्रत तथा हनुमान जी की पूजा से मनोवांछित फल और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। श्रद्धालुओं ने पूरे दिन "हर-हर महादेव" के जयघोष के बीच पूजा-अर्चना कर राष्ट्र और समाज की सुख-शांति की कामना की।

कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम में किसानों व जीविका दीदियों को योजनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी/ढाका

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सोमवार को ढाका स्थित एक निजी होटल के सभागार में कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों, जीविका दीदियों एवं ग्रामीण महिलाओं को बैंक की ऋण योजनाओं तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए क्षेत्रीय प्रधान विवेक कुमार पाण्डेय ने कहा कि कृषि आउटरीच अभियान का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को मजबूत करना है। उन्होंने जीविका दीदियों से स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण लेकर अपने व्यवसाय का विस्तार करने की अपील की। केंद्रीय कार्यालय, मुंबई से पहुंचे उपमहाप्रबंधक रंजीत सिंह ने कहा कि बैंक प्रत्येक तीन माह पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि ऋण सुविधाएं और बैंकिंग सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें। उन्होंने ग्राहकों से हर दस वर्ष में केवाईसी अपडेट कराने की भी अपील की। नाबार्ड के डीडीएम आनंद अतिरेक ने कृषि ऋण प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने पर जोर देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), एफपीओ तथा ब्याज अनुदान योजनाओं का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक अभिनव आनंद, एलडीएम कृष्ण मुरारी सिंह, आरसेटी निदेशक बिपिन कुमार, मार्केटिंग ऑफिसर अनल अविनाश, जीविका पदाधिकारी, किसान एवं बड़ी संख्या में जीविका दीदियां उपस्थित रहीं।

सात हजार के इनामी कुख्यात अपराधी रामभरोसी यादव गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दरपा थाना कांड संख्या-167/25 से जुड़े हत्या मामले के सात हजार रुपये के इनामी एवं कुख्यात अपराधी रामभरोसी यादव को पताही थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पताही थाना क्षेत्र के भीतनरवा मठ निवासी कमल राय का पुत्र बताया गया है। पुलिस के अनुसार, पताही थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर दरपा थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। दरपा थाना पुलिस द्वारा उसके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, रामभरोसी यादव का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध छौड़ादानो थाना में आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। इसके अलावा घोड़ासहन, दरपा एवं मुफस्सिल थाना में भी उसके विरुद्ध विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके विरुद्ध छौड़ादानो थाना कांड संख्या 264/24, घोड़ासहन थाना कांड संख्या 489/14, दरपा थाना कांड संख्या 96/15, छौड़ादानो थाना कांड संख्या 38/16, 193/15 एवं 199/15, छौड़ादानो थाना कांड संख्या 98/14 तथा मुफस्सिल थाना कांड संख्या 430/15 दर्ज है। इनमें आर्म्स एक्ट, हत्या एवं डकैती से संबंधित मामले शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के बीच हड़कंप मचा है। पुलिस का कहना है कि फरार एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दो पंचायत रोजगार सेवकों की बर्खास्तगी पर संघ नाराज

दो दिन में बहाली नहीं तो आंदोलन का ऐलान

बीएनएम@ गयाजी

पंचायत रोजगार सेवकों की बर्खास्तगी के विरोध में सोमवार को गया शहर के ऐतिहासिक गांधी मैदान स्थित गांधी मंडप में बिहार राज्य पंचायत रोजगार सेवक संघ, जिला इकाई गया की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष देवबली कुमार और उपाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने किया। बैठक में जिले के पंचायत रोजगार सेवकों ने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़ा आक्रोश जताते हुए बर्खास्त किए गए दोनों पंचायत रोजगार सेवकों की दो दिनों के भीतर वापसी की मांग की। संघ के अध्यक्ष देवबली कुमार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित समय में दोनों की सेवा बहाल नहीं की गई तो लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक के दौरान संघ की ओर से जारी पत्र में कहा गया कि 14 अगस्त 2026 को जारी दो अलग-अलग पत्रों के माध्यम से जिले के दो पंचायत रोजगार सेवकों को बर्खास्त कर दिया गया है। संघ का आरोप है कि बर्खास्तगी के लिए 25 मार्च 2022 के पत्र संख्या-196 को मुख्य आधार बनाया गया, जबकि उक्त पत्र में कई प्रकार के शास्ति दंड का प्रावधान है। संघ ने कहा कि जिले में पंचायत रोजगार सेवकों को करीब तीन महीने से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। संघ ने प्रशासन से मांग की कि दोनों बर्खास्त पंचायत रोजगार सेवकों को दो दिनों के भीतर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पुनः सेवा में लिया जाए, साथ ही लंबित मानदेय का भुगतान शीघ्र कराया जाए। बैठक में कहा गया कि यदि दो दिनों में सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संघ चरणबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक आंदोलन करेगा। गांधी मंडप में आयोजित बैठक में रोजगार सेवकों ने एकजुट होकर कहा कि वे अपने साथियों के साथ हो रही कार्रवाई को चुपचाप स्वीकार नहीं करेंगे।

'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी की पुण्यतिथि पर बाइक रैली

दशरथ मांझी पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत, मिलें 'भारत रत्न' : संतोष सुमन

» मंत्री संतोष सुमन ने दिखाई हरी झंडी

बीएनएम@ गयाजी

माउंटेन मैन बाबा दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि पर संघर्ष, साहस और सामाजिक जागरण का संदेश गूंज उठा। मानपुर स्थित भुसुंडा पशु मेला मैदान से हजारों मोटरसाइकिल सवारों की विशाल रैली निकाली गई। रैली गहलौर घाट स्थित बाबा दशरथ मांझी के समाधि स्थल के लिए रवाना हुई। वहां पहुंचकर लोगों ने उनकी समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विशाल मोटरसाइकिल रैली को बिहार सरकार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। बाइक रैली के दौरान बाबा दशरथ मांझी के संघर्ष और उनके ऐतिहासिक योगदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पर्वत पुरुष दशरथ मांझी किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अभाव और बेहद कठिन परिस्थितियों के बावजूद दशरथ मांझी ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से पहाड़ को काटकर रास्ता बना दिया। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी का जीवन यह संदेश देता है कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर संघर्ष से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेने और शिक्षा, मेहनत एवं संघर्ष के माध्यम से समाज व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग को लेकर मंत्री संतोष कुमार सुमन ने एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संक्षिप्त समाचार

बगहा में एसबीआई शाखा के अंदर भोजपुरी गाने पर डांस का वीडियो वायरल

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व इस तरह के गानों पर लोगों ने जताई आपत्ति

बीएनएम@ बगहा : बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड क्षेत्र में तीन महिलाओं के भोजपुरी गाने पर डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा है और कुछ लोगों ने गाने के बोल तथा वीडियो के स्थान को लेकर आपत्ति जताई है। वीडियो स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त का बताया जा रहा है और इसे मधुबनी स्थित एसबीआई शाखा के अंदर का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वायरल वीडियो में तीन महिलाएं भोजपुरी के कथित अश्लील और द्विअर्थी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में बैंक शाखा जैसा परिसर दिखाई दे रहा है। वीडियो कब और किस परिस्थिति में बनाया गया, इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि डांस करने वाली महिलाओं में एक मधुबनी एसबीआई शाखा की बैंक मैनेजर किरण कुमारी और दूसरी मधुबनी में जीविका से जुड़ी रागनी देवी हैं। हालांकि, संबंधित महिलाओं की पहचान और वायरल वीडियो में उनकी मौजूदगी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। तीसरी युवती की पहचान भी स्पष्ट नहीं है। बैंक मैनेजर का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन किसी अन्य सदस्य ने फोन रिसीव किया और उनसे बात कराने में असमर्थता जताई। मधुबनी के बीडीओ कुंदन कुमार ने कहा कि उन्होंने अभी वीडियो नहीं देखा है। वीडियो देखने के बाद संबंधित लोगों से बात की जाएगी।

मगध विश्वविद्यालय परिसर में एन-जेन डाकघर का शुभारंभ

विद्यार्थियों एवं युवा पीढ़ी को आधुनिक डाक, वित्तीय एवं बीमा सेवाओं से जोड़ने की पहल

बीएनएम@ गया। भारत सरकार एवं संचार मंत्रालय की युवा-केंद्रित पहल के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों में विकसित किए जा रहे एन-जेन (N-Gen) डाकघरों की श्रृंखला में मगध विश्वविद्यालय, गया परिसर में एन-जेन डाकघर का शुभारंभ 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिहार परिमंडल के मुख्य डाक महाध्यक्ष (CPMG) द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में मगध विश्वविद्यालय के माननीय उप-कुलपति , वरिष्ठ डाक अधीक्षक, गया डाक मंडल तथा गया डाक मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम उपस्थित रही। एन-जेन डाकघर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवा पीढ़ी को डाक विभाग की आधुनिक सेवाओं तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न वित्तीय एवं बीमा योजनाओं से जोड़ना है। शैक्षणिक संस्थान के परिसर में डाकघर की सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को आवश्यक डाक एवं वित्तीय सेवाएं सुगमता से प्राप्त हो सकेंगी। मगध विश्वविद्यालय परिसर में एन-जेन डाकघर की स्थापना गया डाक मंडल के वरिष्ठ डाक अधीक्षक के विशेष प्रयास एवं पहल से संभव हुई है।

पुलिस लाइन में मनाया गया तिरंगा राखी उत्सव

छात्राओं ने पुलिसकर्मियों की कलाई पर बांधी राष्ट्रप्रेम की राखी

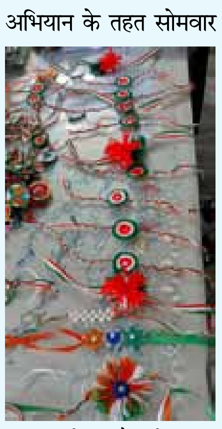

बीएनएम@ समस्तीपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को अभियान के अंतिम दिन पुलिस केंद्र, समस्तीपुर में तिरंगा राखी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रप्रेम, भाईचारे और पुलिस बल के प्रति सम्मान एवं आत्मीयता की भावना को मजबूत करना था। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता एवं जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, समस्तीपुर ने किया। इस दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति के नारों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा पुलिस केंद्र परिसर पहुंची, जहां उत्साह और देशभक्ति के माहौल में तिरंगा राखी उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वयं तैयार की गई आकर्षक तिरंगा राखियां पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर बांधी गईं। छात्राओं ने राखी बांधकर पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए देश की सुरक्षा में उनके योगदान को नमन किया। इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। तिरंगे की छटा और देशभक्ति के नारों से पूरा पुलिस केंद्र परिसर राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत नजर आया।

कल्याणेश्वर शिव धाम में राम, लक्ष्मण व माता सीता की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर थाना परिसर स्थित श्री श्री 108 कल्याणेश्वर शिव धाम में भगवान राम, लक्ष्मण एवं माता सीता की नवनिर्मित मूर्तियों की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई। प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। भगवान राम, लक्ष्मण एवं माता सीता की इन मूर्तियों का निर्माण सेवानिवृत्त ग्रामीण पुलिसकर्मी बिंदी पासवान, पुलिस पदाधिकारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कराया गया है। मूर्तियों की स्थापना के बाद वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सेवानिवृत्त ग्रामीण पुलिसकर्मी बिंदी पासवान एवं उनकी धर्मपत्नी प्रेमा देवी, थानाध्यक्ष सचिन कुमार तथा आयुष चौधरी ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। महंत इंद्रभूषण तिवारी के मार्गदर्शन में शिवम पांडे, संजीत पांडे, रितेश त्रिवेदी, उमेश त्रिवेदी, गौरव मिश्रा एवं अंकित त्रिवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना एवं प्राण-प्रतिष्ठा की सभी धार्मिक विधियां संपन्न कराईं।

शिक्षकों के सरप्लस ट्रांसफर पर यथास्थिति बनाएं रखें : हाईकोर्ट

बीएनएम@ पटना

पटना । हाईकोर्ट ने बिहार में शिक्षकों के सरप्लस ट्रांसफर और पदस्थापन के मामले में महत्वपूर्ण आदेश देते हुए फिलहाल यथास्थिति (Status Quo) बनाए रखने का निर्देश दिया है। इसका मतलब है कि फिलहाल शिक्षक जिस स्थान पर कार्यरत हैं, वहीं बने रहेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने CWJC संख्या 12326/2026 पर सुनवाई के दौरान पारित किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले में अगली स्थिति स्पष्ट होने तक शिक्षकों की वर्तमान पदस्थापना में बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान शिक्षकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ललित किशोर और अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार सिंह ने पक्ष रखा। अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि सरप्लस के आधार पर शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया में कई विसंगतियां हैं। इससे शिक्षकों को स्थानांतरण, पारिवारिक परिस्थितियों और कार्यस्थल को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। अदालत के इस आदेश को सरप्लस ट्रांसफर की प्रक्रिया से प्रभावित शिक्षकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। आदेश के बाद फिलहाल शिक्षा विभाग को शिक्षकों की वर्तमान स्थिति में बदलाव करने से पहले अदालत के अगले निर्देश का इंतजार करना होगा। इससे सरप्लस सूची और उसके आधार पर होने वाले संभावित स्थानांतरण को लेकर बनी अनिश्चितता पर भी फिलहाल विराम लग गया है।

बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और हरित परिवहन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम

23 जिलों के 129 स्थानों पर लगेंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित हुई उच्चस्तरीय बैठक

17 से 20 अगस्त तक 72 स्थानों का साइट सर्वे

» BHEL की टीम ने शुरू किया सर्वे

बीएनएम@ पटना

बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और हरित परिवहन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में राज्य के 23 जिलों के 129 चिह्नित लोकेशन पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) के पदाधिकारियों की टीम ने बिहार का दौरा कर साइट सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को पटना स्थित विश्वेश्वरैया भवन में परिवहन विभाग के सचिव राज कुमार, भारी उद्योग मंत्रालय के निदेशक अमरेंद्र किशोर सिंह और BHEL के महाप्रबंधक जे.के. पटनायक की मौजूदगी में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वे और चार्जिंग स्टेशन स्थापना की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के समन्वय से BHEL की टीम 17 अगस्त से 20 अगस्त तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में सर्वे करेगी। प्रथम चरण के तहत टीम द्वारा पटना, गया, वैशाली, पूर्णिया, नालंदा और छपरा जिलों में स्थित 72 अलग-अलग प्रमुख लोकेशनों का भौतिक जायजा लिया जा रहा है। साइट सर्वे के दौरान प्रस्तावित भूखंडों की उपयुक्तता, विद्युत कनेक्टिविटी (पावर सप्लाई), स्थान की उपलब्धता और वाहनों की पहुंच जैसी तकनीकी सुविधाओं का बारीकी से परीक्षण किया जाएगा। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यह पहल केंद्र सरकार की पीएम ई-ड्राइव (PM E-Drive) योजना का हिस्सा है, जिसे सितंबर 2024 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के बजट के साथ अधिसूचित किया गया था। राज्य के प्रमुख राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों और घने शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशन बनाने पर मुख्य जोर रहेगा। इससे न केवल लंबी दूरी तय करने वाले ईवी चालकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि शहरों में दैनिक आवाजाही करने वाले लोगों के लिए भी चार्जिंग बुनियादी ढांचा सुलभ हो जाएगा। परिवहन सचिव राज कुमार ने कहा कि मजबूत चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हाईवे और शहरी क्षेत्रों में स्टेशन बनने से लोगों का इलेक्ट्रिक वाहनों पर भरोसा बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि सर्वे कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए संबंधित जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे BHEL की टीम को हर संभव प्रशासनिक और तकनीकी सहायता प्रदान करें। भारी उद्योग मंत्रालय के निदेशक अमरेंद्र किशोर सिंह के अनुसार, बिहार परिवहन विभाग से 23 शहरों के 129 स्थानों का प्रस्ताव मिला था। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए BHEL को प्रोजेक्ट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी (PIA) नियुक्त किया गया है, जो राज्य में ईवी इकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करेगी।

भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालयों में नामांकन संपन्न

» 328 रिक्तियों के विरुद्ध प्राप्त हुए 828 आवेदन

» ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से हुआ चयन

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चम्पारण जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अम्बेदकर आवासीय विद्यालयों में वर्ग-02 से वर्ग-05 तक के छीजन नामांकन हेतु सोमवार को अनुसूचित जनजाति छात्रावास, आरएलएसवाई, बेतिया के सभा कक्ष में ऑनलाइन लॉटरी की प्रक्रिया संपन्न की गई। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान वरीय उप समाहर्ता रोचना माद्री एवं जिला कल्याण पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। जिले के सभी 09 आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन लॉटरी कराई गई। जिले में कुल 328 रिक्त सीटों के विरुद्ध 828 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्राप्त आवेदनों में से ही ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से नामांकन हेतु अभ्यर्थियों का चयन किया गया। पूरी प्रक्रिया विभागीय पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। इस अवसर पर सभी संबंधित विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, बच्चे तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

गादी गांव में छापेमारी,फर्जी ईंधन कारोबार का भंडाफोड़

» 14 ड्रम मिलावटी पेट्रोल-डीजल और सॉल्वेंट जब्त

बीएनएम@ चकाई(जमुई)

पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल के निर्देश पर प्रशासनिक व पुलिस टीम ने परांची पंचायत के गादी गांव में संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी ईंधन के काले कारोबार का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर हुई इस छापेमारी में भारी मात्रा में मिलावटी पेट्रोल, डीजल और सॉल्वेंट बरामद किया गया है। मामले में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) मुकेश कुमार के लिखित आवेदन पर चकाई थाने में चार लोगों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।यह पूरी कार्रवाई गांव के चार अलग-अलग घरों में संचालित अवैध ठिकानों पर की गई, जिसमें एमओ मुकेश कुमार के साथ चकाई थाना अध्यक्ष सर्वजीत कुमार, चिहरा थाना अध्यक्ष रिंकू रजक और भारी पुलिस बल शामिल था। स्थानीय चौकीदार शंकर हजाम की निशानदेही और पहचान पर इन घरों में दबिश दी गई। जप्त सामग्री में मिलावटी पेट्रोल के 9 ड्रम और 2 जार, मिलावटी डीजल के 3 ड्रम तथा सॉल्वेंट (केमिकल) के 2 ड्रम समेत कुल 14 ड्रम और 2 जार ईंधन जब्त किया गया है।एमओ मुकेश कुमार के अनुसार, आरोपी थिनर और विभिन्न रसायनों का इस्तेमाल कर नकली पेट्रोल-डीजल तैयार कर बाजार में खपा रहे थे। इस गोरखधंधे में संलिप्त गादी गांव निवासी करण राय, शंकर राय, पवन राय और नवीन राय को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। चकाई थाना अध्यक्ष सर्वजीत कुमार ने बताया कि जब्त किए गए ईंधन के नमूने सील कर जांच प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं और पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

गुहिया में घटिया विद्यालय निर्माण पर माले का आक्रोश

» अनियमितता के खिलाफ उग्र आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम@ चकाई(जमुई)

चकाई में भाकपा माले प्रखंड सचिव मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की एक टीम ने बरमोरिया पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, गुहिया के निर्माणाधीन भवन कार्य का जायजा लिया। इस निरीक्षण दल में प्रखंड कमिटी सदस्य कॉमरेड अजीम अंसारी और बरमोरिया लोकल कमिटी सचिव कॉमरेड मतला मरांडी भी मुख्य रूप से शामिल रहे। निरीक्षण के बाद प्रखंड सचिव ने निर्माण कार्य की मंथर गति और घटिया सामग्री के प्रयोग पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि एक वर्ष में पूरा होने वाला यह काम दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा है, जिससे विद्यार्थियों और अध्यापकों को भारी परेशानी हो रही है।जांच के दौरान माले नेताओं ने पाया कि संवेदक द्वारा भवन और शौचालय की टंकी निर्माण में भारी अनियमितता बरती जा रही है, जिसमें स्थानीय भट्ठे की बिल्कुल कच्ची और निम्नस्तरीय ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है जो छूने भर से टूट जाती हैं। कॉमरेड मनोज पाण्डेय ने आरोप लगाया कि सरकारी मानकों को दरकिनार कर गुणवत्ताहीन कार्य कराया जा रहा है, जो भारी भ्रष्टाचार का प्रमाण है। भाकपा माले ने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी संवेदक के खिलाफ अविलंब कड़ी कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई करने की मांग की है। पार्टी नेताओं ने चेतावनी

दी है कि यदि जल्द ही गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित नहीं किया गया, तो भाकपा माले उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

मधुबनी प्रखंड के रेवहिया में नदी में समाया विद्यालय का आधा हिस्सा

» नदी का कटाव तेज, पहुंचे पदाधिकारी, लोगों में बढ़ा आक्रोश

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया में नदी का तेज कटाव लगातार जारी है। कटाव के चलते सोमवार की दोपहर तक राजकीय प्राथमिक विद्यालय का करीब आधा हिस्सा नदी में विलीन हो गया। विद्यालय को बचाने के लिए कमरों में लगे दरवाजे और खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाली जा रही हैं। कटाव की रोकथाम के लिए जल संसाधन विभाग की ओर से कटाव स्थल पर जियो बैग सहित अन्य कटावरोधी सामग्री का भंडारण कर काम शुरू किया गया है। हालांकि नदी की तेज धारा के कारण जियो बैग भी बह जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ता जा रहा है। विद्यालय के नदी में विलीन होने की सूचना मिलने पर मधुबनी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कुंदन कुमार, विधानसभा प्रत्याशी अर्थराज यादव, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र गुप्ता सहित कई समाजसेवी कटाव स्थल पर पहुंचे। मौके पर विधानसभा प्रत्याशी अर्थराज यादव ने विभाग के जेई से कहा कि केवल जियो बैग डालकर कटावरोधी कार्य कराने का कोरम पूरा न किया जाए, बल्कि नदी के कटाव को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि रेवहिया में अब कुछ ही घर बचे हैं और उन्हें नदी में विलीन होने से बचाना जरूरी है। बीडीओ कुंदन कुमार ने कहा कि कटाव की गंभीर स्थिति से वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है। वहीं, नदी की तेज धारा और लगातार बढ़ते कटाव को देखते हुए रेवहिया में चारों तरफ चीख-पुकार मची हुई है। ग्रामीण अपने घरों को तोड़कर सामान निकालने और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने में जुटे हैं। चिउरही पंचायत के मुखिया विजय यादव ने बताया कि कटाव को लेकर स्थानीय लोगों में सांसद, विधायक और प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि कटाव स्थल पर स्थानीय जनप्रतिनिधि लगातार पहुंच रहे हैं, लेकिन अब तक स्थानीय सांसद और विधायक के मौके पर नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

गोविंदोडीह में 'डायमंड हॉस्पिटल' का शुभारंभ, विधायक सावित्री देवी ने किया उद्घाटन

बीएनएम@ चकाई(जमुई)

चकाई प्रखंड की परांची पंचायत के गोविंदोडीह गांव (NH-333 मुख्य मार्ग) में रविवार को 'डायमंड हॉस्पिटल' का भव्य शुभारंभ हुआ। अस्पताल का उद्घाटन चकाई विधायक सावित्री देवी और राजद युवा नेता विजय शंकर यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है, जिससे स्थानीय स्तर पर ही लोगों को सुलभ व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। इस पहल से चकाई और आसपास के दूर-दराज के ग्रामीणों को इलाज के लिए अब बाहर नहीं भटकना पड़ेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गायत्री ज्ञान मंदिर में पांच दिवसीय प्राणवान प्रशिक्षण शुरू

बीएनएम@ जमुई/झाझाः

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार के मार्गदर्शन में झाझा स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में रविवार से पांच दिवसीय प्राणवान प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष गायत्री परिवार के कार्यकर्ता और साधक शामिल हो रहे हैं। शांतिकुंज से पहुंची दो सदस्यीय टोली का नेतृत्व टोली प्रमुख श्रीनिवास तिवारी कर रहे हैं, जबकि इस अवसर पर गायत्री मंदिर के आचार्य ज्ञान प्रकाश भी उपस्थित रहे।टोली प्रमुख ने बताया कि 20 अगस्त तक चलने वाले इस शिविर में कार्यकर्ताओं को कर्मकांड, संस्कार, साधना और संगीत से जुड़े विभिन्न विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके तहत वैदिक मंत्रोच्चार, यज्ञ विधान, संस्कारों को संपन्न कराने की विधि के साथ-साथ ध्यान, योग, जप और आत्मबोध का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के रूट पर विवाद गहराता जा रहा

» क्या VIP जमीन बचाने के लिए बदला गया अलाइनमेंट?

बीएनएम@ समस्तीपुर

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के समस्तीपुर जिले के सरायरंजन क्षेत्र से गुजरने वाले प्रस्तावित रूट को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि मूल अलाइनमेंट में बदलाव राजनीतिक दबाव में किया गया, जिससे अब 150 से अधिक घरों और करीब 65 साल पुराने केदार संत रामाश्रय कॉलेज पर अधिग्रहण का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का दावा है कि पहले प्रस्तावित रूट धनहर चौर के अपेक्षाकृत खाली खेतों से होकर गुजर रहा था। बाद में अलाइनमेंट में बदलाव कर सड़क को कंकालीपुर और झाखड़ा की घनी आबादी की ओर मोड़ दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह बदलाव उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के करीबी रिश्तेदार विनीत ईश्वर उर्फ बॉबी ईश्वर की जमीन को बचाने के लिए किया गया। लोगों के अनुसार, पुराने रूट में विनीत ईश्वर की करीब साढ़े 10 बीघा जमीन प्रभावित हो रही थी। आरोप है कि नए अलाइनमेंट के कारण अब बड़ी संख्या में आम लोगों के मकान और दुकानें इसकी जद में आ गई हैं। स्थानीय लोगों ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने राजनीतिक दबाव के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि एक्सप्रेसवे का रूट तय करना एनएचएआई का अधिकार क्षेत्र है। विनीत ईश्वर ने भी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि नए रूट में भी उनकी करीब छह बीघा जमीन प्रभावित हो रही है। इस बीच उजियारपुर सांसद एवं केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष मुद्दा उठाया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी मामले की समीक्षा का भरोसा दिया है।

नतीजे मुद्दों से ही तय हुए

तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए। बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव नतीजों में 'कॉकरोच' आंदोलन का असर ढूंढने का लालच होना अपनी जगह ठीक है, लेकिन फिलहाल ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। मुमकिन है कि युवा मतदाताओं का एक हिस्सा जंतर-मंतर और 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हुआ, उससे प्रभावित हुआ हो। लेकिन इन नतीजों का विश्लेषण करते वक्त चुनावी राजनीति की पेचीदगियों को ध्यान में रखना उचित नजरिया होगा। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजे ने जरूर सियासी सनसनी पैदा की है, और इसे बेशक सत्ताधारी भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जाएगा। इससे प्रशांत किशोर का चेहरा चमका है और अब लोग उनकी पार्टी को अधिक गंभीरता से लेंगे। इस रूप में यह राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी झटका है। प्रशांत किशोर का सारा दांव राजनीति विमर्श को सांप्रदायिक और जातीय ध्रुवीकरणों से निकालने पर टिका रहा है। वे शिक्षा, पलायन, और आर्थिक पिछेड़ेपन के वो मुद्दे उठा रहे हैं, जिनसे सभी समुदाय प्रभावित हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कथित आपराधिक पृष्ठभूमि, कथित फर्जी डिग्री, और उम्मीदवारी के पर्चों में जानकारी छिपाने के आरोप को भी बड़ा मुद्दा बनाए रखा है। बांकीपुर में उनकी भारी जीत इन मुद्दों के कारगर होने का संकेत है। लेकिन एक शहरी क्षेत्र में- जहां मध्य वर्गीय मतदाता बड़ी संख्या में हैं- मिली सफलता क्या गांव-देहात तक फैल पाएगी, ये बड़ा सवाल अभी कायम है। उधर मध्य प्रदेश में दतिया सीट को कांग्रेस ने अपने पास बरकरार रखा। इस कारण इस नतीजे में बदलाव की लहर ढूंढना निराधार है। हर जीत महत्त्वपूर्ण होती है, और इस लिहाज से कांग्रेस इस पर जरूर संतोष कर सकती है। मगर असंतोष की तमाम चर्चाओं के बीच गुजरात के मंझलपुर में उसे भाजपा के हाथों करारी हार मिली। इससे पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियां फिर जाहिर हुई हैं। कुल मिलाकर जो सूरत उभरी, उसके बीच तीनों उपचुनावों में किसी समान सूत्र की तलाश करना संभव नहीं है। बल्कि यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि उपचुनाव स्थानीय सवालों और समीकरणों पर लड़े गए और उनके नतीजे उन मुद्दों से ही तय हुए।

प्राकृतिक खेती के चार केंद्र गुजरात की नई कृषि प्रयोगशाला, देश के लिए बन सकता है मॉडल

कांतिलाल मांडोत

गुजरात में प्राकृतिक खेती को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार का चार जिलों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का निर्णय महज एक कृषि योजना नहीं, बल्कि खेती की बदलती जरूरतों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। नवसारी, मोरबी, भावनगर और छोटा उदेपुर में बनने वाले इन केंद्रों में एक साथ करीब 100 किसानों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी। वर्ष 2026-27 में इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। खास बात यह है कि इन केंद्रों को केवल प्रशिक्षण भवन नहीं बनाया जा रहा, बल्कि प्राकृतिक खेती के मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है, जहां किसान खेत देखकर, मिट्टी की जांच कराकर और जैविक इनपुट तैयारकरना सीखकर वापस अपने खेतोंमें प्रयोग कर सकेंगे। यहां एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या गुजरात प्राकृतिक खेती के ऐसे केंद्र स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य है? उपलब्ध सरकारी और सार्वजनिक रिकॉर्ड को देखें तो इसका उत्तर सीधे तौर पर हां नहीं कहा जा सकता। प्राकृतिक खेती को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने का सबसे चर्चित उदाहरण आंध्र प्रदेश है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार आंध्र प्रदेश ने 2018 में बड़े पैमाने पर रासायनिक-मुक्त खेती की ओर बढ़ने की योजना शुरू की थी और उसे देश का पहला शत-प्रतिशत प्राकृतिक खेती वाला राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया था। वहीं नीति आयोग के अनुसार आंध्र प्रदेश का सामुदायिक प्रबंधित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम किसानों के स्तर पर दुनिया के सबसे बड़े कृषि-पारिस्थितिकी कार्यक्रमों में शामिल रहा है। इसलिए गुजरात को प्राकृतिक खेती का पहला राज्य कहना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा, लेकिन चार जिलों में जिस तरह प्रशिक्षण, उत्पादन, परीक्षण, प्रसंस्करण और बाजार से जुड़ी सुविधाओं को एक ही व्यवस्था में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, वह गुजरात को एक अलग मॉडल जरूर बना सकता है। गुजरात पहले से ही प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में सक्रिय राज्यों में शामिल है। नीति आयोग के अनुसार राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पहले से कई योजनाएं चल रही हैं और अलग-अलग कृषि क्षेत्रों में इसका विस्तार किया गया है। गुजरात की नई पहल का सबसे मजबूत पक्ष यही है कि किसान को केवल भाषण या पुस्तिका के माध्यम से प्राकृतिक खेती नहीं सिखाई जाएगी। प्रस्तावित केंद्रों में जीवामृत, बीजामृत और प्राकृतिक कीटनाशकों जैसे जैव-इनपुट तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बीज, पौध, कटिंग और कलम जैसी रोपण सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी होगी। मिट्टी परीक्षण और कृषि उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए मार्गदर्शन मिलेगा। कटाई के बाद फसल के प्रबंधन, प्राथमिक प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और नई तकनीक के इस्तेमाल में भी किसानों की मदद की जाएगी। यानी किसान के सामने केवल यह सवाल नहीं रहेगा कि प्राकृतिक खेती कैसे करें, बल्कि यह भी कि अच्छी फसल के बाद उसे सुरक्षित कैसे रखें, उसकी गुणवत्ता कैसे जांचें और बाजार में बेहतर मूल्य कैसे प्राप्त करें। आज खेती की सबसे बड़ी चुनौती केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं है। किसान को लागत, मिट्टी की सेहत, पानी की उपलब्धता, बाजार और उपभोक्ता की बदलती मांग को एक साथ देखना पड़ता है। प्राकृतिक खेती इस पूरी श्रृंखला को अधिक टिकाऊ बनाने का रास्ता खोल सकती है। प्राकृतिक खेती का सबसे बड़ा लाभ मिट्टी की सेहत से जुड़ा है। लगातार रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की जैविक संरचना प्रभावित हो सकती है। नीति आयोग के प्राकृतिक खेती संबंधी पोर्टल के अनुसार प्राकृतिक खेती मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और जैविक गतिविधियों को बेहतर बनाने, जैव विविधता बढ़ाने और पानी के अधिक विवेकपूर्ण इस्तेमाल में मदद कर सकती है। जब मिट्टी में जैविक गतिविधि मजबूत होती है तो वह केवल पौधे को सहारा देने वाली जमीन नहीं रहती, बल्कि एक जीवंत कृषि तंत्र बन जाती है। पानी की बचत भी प्राकृतिक खेती का महत्वपूर्ण पक्ष है। खेत की मिट्टी को ढककर रखने, अलग-अलग फसलों को साथ लेने और मिट्टी में जैविक पदार्थ बढ़ाने जैसी पद्धतियां पानी के वाष्पीकरण को कम करने और नमी बनाए रखने में मदद कर सकती हैं। ऐसे समय में जब देश के कई कृषि क्षेत्र जल संकट का सामना कर रहे हैं, खेती में हर बूंद का बेहतर इस्तेमाल किसान की आय और कृषि की स्थिरता दोनों के लिए जरूरी है। लागत में कमी प्राकृतिक खेती को किसानों के लिए आकर्षक बनाती है। यदि किसान अपने खेत और पशुधन से उपलब्ध संसाधनों से कुछ जैव-इनपुट तैयार कर लेता है तो बाजार से खरीदे जाने वाले बाहरी इनपुट पर निर्भरता घट सकती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्ययन कार्यक्रमों से जुड़ी सरकारी जानकारी के अनुसार उचित तकनीक और संतुलित तरीके से प्राकृतिक खेती अपनाने पर उत्पादन में सुधार के उदाहरण मिले हैं। मिट्टी की सेहत बेहतर होने से फसल की गुणवत्ता और दीर्घकालिक उत्पादन पर भी सकारात्मक प्रभाव देखा गया है, जबकि रासायनिक लागत कम होने से शुद्ध लाभ बढ़ सकता है। हालांकि यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि प्राकृतिक खेती अपनाते ही हर फसल और हर जमीन पर उत्पादन अपने आप बढ़ जाएगा। कृषि मिट्टी, वर्षा, सिंचाई, फसल, जलवायु और किसान की तकनीकी समझ पर निर्भर करती है। इसलिए गुजरात के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की असली सफलता इस बात से तय होगी कि वहां किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार वैज्ञानिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण कितना मिलता है। केवल जीवामृत या बीजामृत बनाना सिखाना पर्याप्त नहीं होगा; मिट्टी परीक्षण, फसल चयन, कीट प्रबंधन, सिंचाई, उत्पादकता और बाजार की पूरी जानकारी भी जरूरी होगी। गुजरात की मिट्टी को प्राकृतिक खेती के लिए देश में सर्वोपरि कहना भी उचित नहीं होगा। गुजरात में मिट्टी और जलवायु की विविधता है और राज्य विभिन्न फसलों के उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। नीति आयोग के अनुसार गुजरात में सात कृषि-जलवायु क्षेत्र हैं और यहां अलग-अलग प्रकार की मिट्टियां तथा विविध फसल प्रणालियां पाई जाती हैं। लेकिन प्राकृतिक खेती में किसी एक राज्य की मिट्टी को सार्वभौमिक रूप से सर्वश्रेष्ठ नहीं कहा जा सकता। आंध्र प्रदेश इसका अच्छा उदाहरण है। वहां प्राकृतिक खेती को समुदाय आधारित मॉडल के साथ जोड़ा गया है। किसानों को स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए अनुभवी किसानों को ही संसाधन व्यक्ति बनाया जाता है। इससे ज्ञान गांव के भीतर ही फैलता है। दूसरी ओर सिक्किम ने जैविक खेती के क्षेत्र में देश-दुनिया में अलग पहचान बनाई है और उसका जैविक मिशन लंबे समय से चर्चा में रहा है। इसका अर्थ साफ है कि प्राकृतिक या जैविक खेती की सफलता केवल मिट्टी पर निर्भर नहीं करती। किसान प्रशिक्षण, स्थानीय संसाधन, बाजार, प्रमाणन, प्रसंस्करण, उपभोक्ता मांग और सरकारी सहयोग भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। गुजरात की पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह प्राकृतिक खेती को केवल खेत तक सीमित रखने के बजाय पूरी कृषि मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास कर रही है। उदाहरण के लिए यदि भावनगर का किसान प्राकृतिक तरीके से अच्छी फसल पैदा करता है, लेकिन उसके पास गुणवत्ता जांच, पैकिंग और बाजार तक पहुंच नहीं है तो उसकी मेहनत का पूरा आर्थिक लाभ उसे नहीं मिलेगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यदि उत्पादन से लेकर मूल्यवर्धन और बाजार तक यह कड़ी मजबूत कर सके तो प्राकृतिक खेती वास्तव में किसान की आय बढ़ाने का माध्यम बन सकती है।

देश के लिए भी गुजरात का यह प्रयोग महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार पहले से प्राकृतिक खेती को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 16 राज्यों में 20 सहयोगी केंद्रों के माध्यम से प्राकृतिक खेती के विभिन्न फसल प्रणालियों का अध्ययन शुरू किया है। जुलाई 2026 में भारतीय कृषि प्रणालियां अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम को ब्रिक्स नेटवर्क में प्राकृतिक खेती के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की भूमिका भी दी गई है, जिससे शोध, ज्ञान-विनिमय और प्रशिक्षण को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अब आवश्यकता इस बात की है कि गुजरात के चार केंद्र केवल भवन बनकर न रह जाएं। प्रत्येक केंद्र को अपने क्षेत्र की प्रमुख फसलों के अनुसार मॉडल खेत विकसित करने चाहिए। किसान वहां जाकर यह देख सके कि कम लागत में फसल कैसे तैयार होती है, मिट्टी में क्या बदलाव आया, पानी की कितनी बचत हुई और बाजार में उत्पाद को किस तरह बेहतर मूल्य मिला। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एमएसएमई तंत्र को मजबूत करने के लिए सुधारों का अगला चरण

जीतन राम मांझी

संसद के दोनों सदनों द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का पारित होना, एमएसएमई के लिए भारत के कानूनी ढांचे को तेज़ी से बदलते तंत्र के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मूल अधिनियम के बाद से पिछले दो दशकों में, लाखों उद्यम औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने हैं और एमएसएमई राष्ट्रीय विकास, निर्यात और रोजग़ार सृजन में अहम योगदान देने वाले बन गए हैं। इस संशोधन का उद्देश्य एमएसएमई इकोसिस्टम को ज़्यादा संवेदनशील और भरोसे पर आधारित बनाना है। इससे पंजीकरण आसान होगा, वर्गीकरण बेहतर होगा, ऋण तक पहुंच और समय पर भुगतान आसान होगा, विवादों का निपटारा डिजिटल और तेज़ होगा और नियमों का पालन आसान होगा। इस संशोधन में उद्यमों के मुफ्त और स्वैच्छिक पंजीकरण के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रावधान किया गया है। इससे कई तरह की बाधाएं दूर होंगी और सरकार को बेहतर तरीके से लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अधिनियम के तहत पंजीकरण एक पात्रता है, जिसका दावा कोई भी कंपनी कर सकती है, यह कोई बाध्यता नहीं है। यह संशोधन संयंत्र, मशीनरी या उपकरणों में निवेश और कारोबार के संयुक्त मानदंडों के आधार पर उद्यमों के वर्गीकरण के लिए एक स्पष्ट फ्रेमवर्क प्रदान करता है। इस वर्गीकरण से फ्रेमवर्क को प्रौद्योगिकी, लागत, बाजार और व्यवसाय मॉडल में आने वाले बदलावों के अनुसार तेज़ी से ढाला सकता है और यह केंद्र सरकार को अधिसूचना के माध्यम से इसकी सीमाओं को निर्धारित करने का अधिकार देता है। ज़्यादातर एमएसएमई के लिए सबसे बड़ी चिंता नियमित नकद प्रवाह की होती है, क्योंकि किसी छोटे उद्यम का एक भी भुगतान न मिलने का व्यापक असर कर्मचारियों के समय पर वेतन, कच्चे माल की खरीद और अगले ऑर्डर को स्वीकार करने पर पड़ता है, जिससे भुगतान में देरी होने से कंपनी के काम करने और आगे बढ़ने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए इस संशोधन में इस समस्या को तीन चरणों – रोकथाम, समाधान और कार्यान्वयन के माध्यम से दूर करने की कोशिश की गई है। रोकथामः यह केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए 'ट्रेड्स' (टीआरइडीएस) के माध्यम से एमएसएमई से संबंधित रसीद (इनवॉइस) के भुगतान और जानकारी देने को अनिवार्य बनाकर पारदर्शिता लाता है। राज्य सरकारें भी यही नियम अपने राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर लागू कर सकती हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होने के नाते, 'ट्रेड्स' एक स्वीकृत इनवॉइस के आधार पर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से तुरंत वित्तपोषण प्राप्त करने की सुविधा देता है। इससे आपूर्तिकर्ता को अग्रिम भुगतान मिल जाता है, जबकि खरीदार तय तिथि पर बैंक या वित्तीय संस्थान को भुगतान चुकता करता है। इस प्रकार, रिसिवेबल्स (मिलने वाली रकम) आपूर्तिकर्ता के लिए लिक्विडिटी का ज़रिया बन जाता है, जिससे कंपनी को अपने कामकाज का प्रबंधन करने, बिलों का भुगतान करने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में आसानी होती है। समाधानः यह इस अधिनियम के विवाद-समाधान फ्रेमवर्क को और अधिक मजबूत करता है। यह राज्य सरकारों को मध्यस्थता और सुलह के लिए अतिरिक्त 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदों' (एमएसइएफसी) की स्थापना करने में सक्षम बनाता है। यह मध्यस्थता और सुलह के लिए समय-सीमा निर्धारित करता है तथा ऑनलाइन विवाद-समाधान को वैधानिक मान्यता प्रदान करता है। इससे मामलों का तेजी से निपटारा होगा और एक ऐसी व्यवस्था तैयार होगी जिससे कंपनी प्रक्रिया और समय-सीमा की निश्चितता के साथ अपने जायज़ दावों को पेश कर सकेगी।

कार्यान्वयनः 'सुविधा परिषदों' द्वारा दिए गए निर्णय के तहत मिलने वाली रकम को ज़मीन के लगान की बकाया राशि की तरह वसूला जा सकता है। यदि कोई खरीदार किसी फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहता है, तो उसे तय राशि का 75 प्रतिशत अदालत में जमा कराना होगा और यदि वह चुनौती छह महीने तक लंबित रहती है, तो अदालत उस जमा राशि में से आधी राशि आपूर्तिकर्ता को जारी कर सकती है। इस प्रकार, लंबे समय तक चलने वाली मुकदमेबाजी के कारण जायज दावों को खारिज नहीं किया जा सकेगा और अदालत में बीतने वाला समय अब केवल खरीदार के पक्ष में नहीं होगा।

यह संशोधन उद्यमों के लिए अनुपालन के प्रति अधिक संतुलित और विश्वास-आधारित दृष्टिकोण की दिशा में बदलाव को भी दर्शाता है। छोटे-मोटे उल्लंघन के लिए अब पहली बार में केवल चेतावनी दी जाएगी और अपराध दोहराए जाने पर अलग-अलग आर्थिक जुर्माने लगाए जा सकते हैं। नियमों के पालन की प्रक्रिया को ज़्यादा अनुमान लगाने लायक और आसान बनाकर, कंपनियाँ अब अपनी ऊर्जा अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने पर लगा सकती हैं। इससे व्यवसाय करने में सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिजऩेस) और विश्वास-आधारित शासन को बढ़ावा मिलेगा।

आखिर में, यह संशोधन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में विश्वास का एक प्रतीक है, जो उन्हें नवाचार करने, रोजग़ार पैदा करने, नए बाज़ारों में प्रवेश करने और अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में सक्षम बनाएगा। एक अधिक मजबूत और गतिशील एमएसएमई क्षेत्र 'विकसित भारत' के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगा।

(लेखक केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री हैं)

मेष राशिःआज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय आपको सुकून देगा, आप अपनी फैमिली के साथ अच्छा समय बिताएंगी। आज आपका कोई पुराना मित्र आपके घर आ सकता है, आप उससे अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं, इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशिःआज का दिन आपके लिए नई उमंग लेकर आया है। आज आपको कोई ऐसी चीज मिलेगी जिसकी चाह आपको काफी दिनों से थी। आज आप काम को लेकर काफी एक्साइटेड रहेंगे, जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा होगा। आज समाज में आपके द्वारा मानवहित में किया गया काम आपको सम्मान दिलाएगा।

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज काफी दिनों से रुका हुआ महत्वपूर्ण काम पूरा हो जाएगा, जिससे आपके अंदर उत्साह रहेगा। आज आप काम करने का नया टारगेट बनाएंगे। इस राशि के जो व्यक्ति राजनीति के क्षेत्र में हैं, वे आज किसी सभा में जाएंगे, जहां अपने संबोधन से जनमानस में नई उमंग भर देंगे। आज छात्र अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहेंगे, जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं, बस आप अपनी मेहनत कंटिन्यू रखें।

कर्क राशिःआज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज काफी वर्षों की मेहनत का फल आपको मिलेगा, जिससे आपको काम करने का नया हौसला मिलेगा।

सिंह राशि ः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति से आप जीवन की कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखेंगे, जिसका आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। आज काफी दिनों से चल रहा कोई वर्क कम्प्लीट हो जाएगा, जिससे आपकी उलझन कम होगी। इस राशि के जिन व्यक्तियों का आज बर्थडे है, वे आज दोस्तों को अपने हाथ का बनाया स्वादिष्ट खाना खिलाएंगे।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा बदलाव लाया है। यह बदलाव आपके काम को लेकर या करियर को लेकर हो सकता है। छात्र आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे, कोई नया कोर्स जॉइन करने का मन बनाएंगे। आज काम के प्रेशर को कम करने के लिए आप अपने सहयोगियों से सलाह-मशविरा भी ले सकते हैं।

तुला राशिःआज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से खुशखबरी सुनने को मिल सकती है, इस खुशी में आप कहीं घूमने की प्लानिंग अपने परिवार के साथ करेंगे। आज आपका रुझान साहित्य के क्षेत्र में होने से आप बुक पढऩे का मन बनाएंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए फेवरेबल है। आज आप पेंडिंग कार्यों को करने में सफल रहेंगे, जिससे आप आगे के प्लान भी तैयार कर पाएंगे। आज आप किसी काम के बारे में नए सिरे से सोच सकते हैं। यदि आज आप मार्केट में किसी तरह का निवेश करने जा रहे हैं, तो पूरी तरह से रिसर्च के बाद ही निवेश करें।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को आज गुड न्यूज मिल सकती है। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसे समय रहते पूरा कर लें, आपके लिए अच्छा रहेगा।

मकर राशिःआज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यापार में लाभ के साथ-साथ परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी। आज आप जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरूर ले लें। आज माता-पिता के आशीर्वाद से सभी बाधाओं को दूर करने में आप सक्षम रहेंगे।

कुंभ राशिःआज का दिन आपके लिए शानदार बना रहेगा। आज किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है और आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। आज टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस में आप अच्छा धन लाभ कमाएंगे। आज टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े व्यक्तियों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए बहुत ही बढिय़ा रहने वाला है। आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। आज राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति के लिए दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा, आज आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है।

हर घर तिरंगा अभियानः राष्ट्रभक्ति का जन-जन से जुड़ता महाअभियान

तेजबहादुर सिंह भुवाल

भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, सम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत प्रतीक है। यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की अमर गाथा को अपने भीतर समेटे हुए है, जिन्होंने स्वतंत्र भारत का सपना साकार करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जब भी तिरंगा आकाश में लहराता है, प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा हो जाता है और हृदय राष्ट्रभक्ति की भावना से भर उठता है। इसी राष्ट्रीय भावना को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा "हर घर तिरंगा अभियान" प्रारंभ किया गया। यह अभियान आज केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप धारण कर चुका है। इसका मूल उद्देश्य प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जोडऩा तथा राष्ट्र के प्रति उसके कर्तव्यों का बोध कराना है।हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुँचाने में छत्तीसगढ़ शासन ने भी महत्वपूर्ण और प्रभावी भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का उत्सव बनाने का प्रयास किया है। शासन द्वारा सभी जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के समन्वय से व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जा रहा है। राज्य के सभी जिलों में तिरंगा यात्राएँ, प्रभात फेरियाँ, जागरूकता रैलियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। स्कूलों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय कार्यालयों तथा सार्वजनिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

स्वतंत्रता का उत्सव, जनभागीदारी का अभियानः भारत ने 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता प्राप्त की। स्वतंत्रता के बाद से प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता रहा है, लेकिन समय के साथ यह महसूस किया गया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल सरकारी भवनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रारंभ हुआ "हर घर तिरंगा अभियान" इसी सोच का परिणाम है। इसका उद्देश्य था कि देश का प्रत्येक परिवार अपने घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करे और राष्ट्र के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता व्यक्त करे। इस अभियान ने कुछ ही वर्षों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। करोड़ों परिवारों ने अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों, विद्यालयों तथा संस्थानों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। तिरंगे का गौरवशाली इतिहासः भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। इसके निर्माण में महान स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समय के साथ इसमें आवश्यक परिवर्तन किए गए और अंततः वर्तमान स्वरूप को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया गया। तिरंगे का अनुपात 3:2 निर्धारित किया गया है। इसमें तीन समान क्षैतिज पट्टियाँ हैं—ऊपर केसरिया, बीच में सफेद तथा नीचे हरा रंग। सफेद पट्टी के मध्य गहरे नीले रंग का 24 तीलियों वाला अशोक चक्र अंकित है।

तिरंगे के तीन रंगों का संदेशः राष्ट्रीय ध्वज का प्रत्येक रंग अपने भीतर गहरा दर्शन समेटे हुए है। केसरिया रंग साहस, त्याग, बलिदान और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। यह हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। सफेद रंग सत्य, शांति, ईमानदारी और पारदर्शिता का संदेश देता है। यह जीवन में नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा देता है। हरा रंग समृद्धि, विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा कृषि प्रधान भारत की पहचान का प्रतीक है। यह प्रकृति के साथ संतुलित विकास का संदेश देता है। मध्य में स्थित अशोक चक्र निरंतर प्रगति, न्याय और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी 24 तीलियाँ जीवन के प्रत्येक क्षण कर्म करते रहने की प्रेरणा देती हैं। अभियान का वास्तविक उद्देश्यः हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य केवल ध्वज फहराना नहीं है। इसका व्यापक लक्ष्य नागरिकों के मन में राष्ट्रीय चेतना का विकास करना है। यह अभियान बताता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से मजबूत होता है। जब प्रत्येक घर पर तिरंगा लहराता है, तब वह परिवार केवल अपने घर की पहचान नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की पहचान बन जाता है। यही भावना भारत को "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के विचार से जोड़ती है। जनभागीदारी की अनूठी मिसालः इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जनभागीदारी है। गाँव से लेकर महानगर तक, विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक, सरकारी कार्यालयों से लेकर निजी संस्थानों तक तथा सामाजिक संगठनों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाओं तक सभी ने उत्साहपूर्वक इसमें भागीदारी निभाई। विद्यालयों में प्रभात फेरियाँ, तिरंगा यात्राएँ, चित्रकला प्रतियोगिताएँ, भाषण, निबंध लेखन, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा राष्ट्रभक्ति गीतों के आयोजन किए जा रहे हैं। युवा सोशल मीडिया के माध्यम से तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें साझा कर राष्ट्रप्रेम का संदेश दे रहे हैं। डिजिटल भारत और तिरंगे का उत्सवः डिजिटल युग में हर घर तिरंगा अभियान को नई ऊर्जा मिली है। सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन अभियानों के माध्यम से लाखों लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इससे युवाओं में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा नई पीढ़ी स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व को समझने लगी है।

स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारतः जब हम अपने घर पर तिरंगा फहराते हैं, तब हमें केवल उत्सव नहीं मनाना चाहिए, बल्कि उन महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करना चाहिए जिन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था, बल्कि ऐसा भारत था जहाँ समानता, शिक्षा, सामाजिक न्याय, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता हो। हर घर तिरंगा अभियान हमें इन्हीं आदर्शों की याद दिलाता है।

युवाओं की भूमिकाः भारत विश्व का सबसे युवा देश है। देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार युवा शक्ति है। हर घर तिरंगा अभियान युवाओं को केवल राष्ट्रभक्ति का संदेश नहीं देता, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। यदि युवा ईमानदारी, अनुशासन, नवाचार, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ, तो भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ सकता है।

हमारा संकल्पः हर घर तिरंगा अभियान केवल कुछ दिनों का कार्यक्रम नहीं होना चाहिए। यह हमारे जीवन का स्थायी संस्कार बनना चाहिए। हमें अपने बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज का महत्व बताना चाहिए, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से परिचित कराना चाहिए तथा संविधान के प्रति सम्मान की भावना विकसित करनी चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महिला हॉकी विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एजेंसी, एम्स्टेलवीन

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से मंगलवार को पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया। चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा। पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि भारत और चीन एक-एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम खुद पर और अपनी ताकत पर ध्यान दें। चीन के खिलाफ हमने मौके बनाए, जो सकारात्मक बात थी। रक्षात्मक रूप से भी हम काफी मजबूत रहे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है, यानी गेंद जीतने के बाद उसे अपने कब्जे में बनाए रखना। इसमें हम बेहतर कर सकते हैं।" मारिजन ने दक्षिण अफ्रीका को लेकर खिलाड़ियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा, "अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे इसे हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है, इसलिए हमें इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।" भारत को चीन के खिलाफ मिले मौकों को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करना होगा। नवनीत और दीपिका की अच्छी शुरुआत टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, भारतीय रक्षापंक्ति को चीन के खिलाफ दिखाए गए संयम और मजबूती को बरकरार रखना होगा। दक्षिण अफ्रीका अपने शुरुआती मुकाबले की हार के बाद मजबूत वापसी के लिए मैदान पर उतरेगा।

दो अक्टूबर से शुरु हो सकता है 2027 एकदिवसीय विश्वकप : रिपोर्ट

एजेंसी, जोहांसबर्ग

2027 एकदिवसीय विश्वकप टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रुप से कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वकप 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर शुरु हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि अभी तक इस बार में कोई बयान नहीं दिया है पर माना जा रहा है कि महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से गहरा नाता रहा है, उन्होंने अपने जीवन के 21 साल यहां बिताए थे। ऐसे में इस खास तारीख से टूर्नामेंट को शुरु कर आईसीसी उनके शांति और अहिंसा के वैश्विक संदेश को सम्मान दे सकता है। इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। वहीं पहले विश्वकप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अभ्यास मैच अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने थे पर अब नई योजना के तहत, अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरू हो सके और इस महत्वपूर्ण तारीख को समायोजित किया जा सके। तकरीबन 50 दिनों तक चलने वाले इस लंबे टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष क्रिकेट टीमों को खिताब के लिए मुकाबला करते देखा जा सकता है। टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना गया है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क जैसे प्रमुख स्टेडियम मुकाबले आयोजित करेंगे। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेगा।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप: एमी हंट ने जीते चार स्वर्ण, डुप्लांटिस लगातार चौथी बार बने चैंपियन

एजेंसी, बर्मिंघम

ब्रिटेन की एमी हंट ने रविवार को यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में एक संस्करण में चार स्वर्ण पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड 'मोंडो' डुप्लांटिस ने लगातार चौथी बार यूरोपीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। हंट ने मिश्रित 4x100 मीटर रिले में ब्रिटेन को स्वर्ण दिलाया। जेरेमिया अज़ू, दीना एशर-स्मिथ, झार्नेल ह्यूज और हंट की टीम ने 39.97 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी 40.11 सेकंड के साथ दूसरे और स्पेन 40.42 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहा। हंट इससे पहले 100 और 200 मीटर के व्यक्तिगत खिताब के अलावा शनिवार को महिला 4x100 मीटर रिले का स्वर्ण भी जीत चुकी थीं। एंकर लेग में उन्होंने जर्मनी की जीना लुकेंकेम्पर को पीछे छोड़ते हुए ब्रिटेन को जीत दिलाई। हंट ने कहा, "मैं बेहद खुश हूं। खेल में अपने कुछ सबसे अच्छे दोस्तों के साथ इसे खत्म करना अविश्वसनीय है। हमने यह सब मिलकर किया और यह शानदार एहसास है।" वहीं, दीना एशर-स्मिथ ने अपने करियर का आठवां यूरोपीय चैंपियनशिप स्वर्ण जीता। वह प्रतियोगिता की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली एथलीट बन गईं। उनके नाम अब कुल 11 पदक हैं, जो दिवंगत पोलिश धाविका इरेना शेविंस्का से एक अधिक हैं। मिश्रित 4x100 मीटर रिले को पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप में शामिल किया गया था।

एफआईएच विश्व कप में पुरुष-महिला टीमों की भागीदारी पर आईओए ने जताया गर्व

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 से 30 अगस्त तक हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की भागीदारी का स्वागत किया है। आईओए ने दोनों टीमों को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। आईओए ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत की मौजूदगी भारतीय हॉकी की मजबूती और लगातार हो रही प्रगति को दर्शाती है। भारत इस वर्ष एफआईएच हॉकी विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ भाग लेने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है। विश्व कप दोनों टीमों को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने और अपने उच्च प्रदर्शन वाले खेल कार्यक्रम को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। इसके बाद भारतीय टीमों का लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और फिर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारियों पर रहेगा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, "मैं एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों को हार्दिक बधाई देती हूं।

यूपी टी20 : मैच जिताऊ पारी के बाद बोले स्वास्तिक चिकारा- विराट से सीखा 100% देना

एजेंसी, लखनऊ

यूपी टी20 लीग में रविवार रात मेरठ मावेरिक्स को गौर गोरखपुर लायंस के खिलाफ जीत दिलाने वाली अर्धशतकीय पारी के बाद, ओपनर स्वास्तिक चिकारा ने बताया कि दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने से खेल के प्रति उनका नज़रिया पूरी तरह बदल गया है। चिकारा ने यूपी टी20 के पहले संस्करण में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे जिसने 2025 में आईपीएल का टाइटल जीता था। यह युवा बल्लेबाज मेरठ मावेरिक्स के दबदबे का आधार रहा है, जिसने पिछले तीनों एडिशन में फ्रेंचाइजी को फाइनल तक पहुंचाने और 2024 में टाइटल जीतने में अहम भूमिका निभाई। उस टाइटल जीतने वाले 2024 सीज़न के दौरान, चिकारा अपने आप में एक अलग ही जोन में थे, टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर 49.90 के एवरेज और 185.50 के स्ट्राइक रेट से 499 रन बनाए, जिसमें तीन फिफ्टी और एक सेंचुरी शामिल थी। उन्होंने अपनी मौजूदा सोच और शानदार तैयारी का क्रेडिट आरसीबी सेटअप में अपने समय और खासकर कोहली को करीब से देखने को दिया। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को अपने मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के बाद चिकारा ने कहा, "मैंने विराट कोहली से सीखा है कि अपनी प्रैक्टिस पर फोकस करो और अपना 100 परसेंट दो।

बिजनेस

एफडीए की कार्रवाई स्वागत योग्य, कानून से ऊपर कोई नहीं : खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन एवं टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामले में नोटिस जारी किया जाना बहुत ही कानून सम्मत एवं एक स्वागतयोग्य कदम है। सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। सांसद एवं कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने सोमवार को कहा कि यह संदेश स्पष्ट रूप से जाना चाहिए कि देश में कानून, नियम और उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं तथा किसी भी व्यक्ति की लोकप्रियता या सेलिब्रिटी हैसियत उसे कानूनों के पालन से छूट नहीं दे सकती। खंडेलवाल ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि कुछ प्रसिद्ध बॉलीवुड हस्तियां केवल व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे उत्पादों के प्रचार से जुड़ जाती हैं, जिनके विज्ञापन और ब्रांडिंग को लेकर गंभीर कानूनी एवं नैतिक प्रश्न उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग इन सेलिब्रिटीज़ को अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे में उनकी सामाजिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यदि वे स्वयं नियमों की अनदेखी करते दिखाई दें, तो समाज में गलत संदेश जाता है और कानून के प्रति सम्मान कमज़ोर पड़ता है। उन्होंने कहा की दुर्भाग्य से आजकल कानूनों और नियमों की अवहेलना करना एक प्रकार का फैशन बनता जा रहा है। चाहे कुछ चर्चित सेलिब्रिटी हों या फिर देश में निवेश करने वाली कुछ विदेशी निवेश (एफडीआई) आधारित कंपनियां, अनेक मामलों में ये देखा गया है कि नियमों की सीमाओं को जानबूझकर लांघने या उनका मनमाना अर्थ निकालने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत गंभीर है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। खंडेलवाल ने जोर देकर कहा की व्यापार, उद्योग, मनोरंजन जगत अथवा किसी अन्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के लिए एक समान नियम होने चाहिए। यदि आम नागरिक और छोटे व्यापारी कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हैं, तो बड़े ब्रांड, बड़ी कंपनियां और बड़े चेहरे भी उसी कसौटी पर परखे जाने चाहिएं। कानून का सम्मान ही स्वस्थ व्यापारिक व्यवस्था और उत्तरदायी समाज की नींव है। उन्होंने उम्मीद जताई है की महाराष्ट्र एफडीए इस मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या संस्था अपनी लोकप्रियता, प्रभाव अथवा आर्थिक शक्ति के बल पर नियमों को दरकिनार करने का साहस न कर सके। देश में कानून का राज स्थापित रहना चाहिए और यह सिद्धांत व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक दिन पहले अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) कारण बताओ नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है।

डीआरआई ने सुपारी के आयात में 2,500 करोड़ की सीमा शुल्क धोखाधड़ी का किया भंडाफोड़, 09 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली । राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सुपारी आयात में 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की सीमा शुल्क चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को जारी एक एक बयान में कहा कि डीआरआई की जांच में अब तक अवैध रूप से सुपारी आयात किए जाने से सरकारी राजस्व को 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित नुकसान का पता चला है। उसने कहा कि इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात करके उसे गलत तरीके से बांग्लादेश मूल का बताने और दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क का धोखाधड़ी से लाभ लेने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई ने सुपारी आयात में साफ्टा समझौते के बड़े पैमाने पर अवैध उपयोग का खुलासा किया है। निदेशालय ने महीनों तक चली जांच में सरकारी खजाने से लगभग 2,500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया, जिसमें करीब 75 लाख रुपये नकद और 160 मीट्रिक टन सुपारी जब्त की गई है।

शेयर बाजार में गिरावट का रूख, सेंसेक्स 432 अंक टूटा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 432 अंक और निफ्टी में 106.40 अंकों की गिरावट दर्ज की गई।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 432.47 अंक यानी 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ 77,576.78 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 106.70 अंक यानी 0.44 फीसदी टूटकर 24,259.30 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में सबसे अधिक गिरावट रही। हालांकि, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयर में बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। वहीं, रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि सेंसेक्स पिछले हफ्ते अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को 70.71 अंक और निफ्टी 29.85 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

सरकार जल्द ही 'बैंकिंग फॉर विकसित भारत' पर उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही 'बैंकिंग फॉर विकसित भारत' पर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करेगी। इस समिति का उद्देश्य साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुरूप बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में दो दिवसीय 'पीएसबी कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि हमें उम्मीद है कि बैंकिंग क्षेत्र की समीक्षा के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति के गठन की घोषणा जल्द होगी और समिति की घोषणा जल्द की जाएगी।उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य बहुत दूर नहीं है। 'विकसित भारत' के लिए बैंकिंग व्यवस्था पर चर्चा करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता, खासकर तब जब सभी सरकारी बैंकों (पीएसबी) और वित्तीय संस्थानों ने चुनौतियों का सामना करते हुए सुधारों की राह अपनाई है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय बैंकिंग के इतिहास में फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) का स्तर अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। इसलिए बैंकिंग सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए इससे बेहतर और मजबूत स्थिति नहीं हो सकती।

भारतीय व्यापार महोत्सव ने रचा इतिहास, 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक आयोजित चार दिवसीय भारतीय व्यापार महोत्सव (बीवीएम) 2026 का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन में 1.8 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित हुए है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव में व्यापारियों, निर्माताओं, निर्यातकों, स्टार्टअप्स, निवेशकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, उपभोक्ताओं तथा विदेशी खरीदारों सहित 1.8 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस व्यापार महोत्सव के दौरान आयोजित खरीदार-विक्रेता बैठकों, व्यापारिक संवादों, सोर्सिंग चर्चाओं और साझेदारी वार्ताओं के परिणामस्वरूप पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापारिक अवसर सृजित हुए हैं, जिनके आने वाले महीनों में वास्तविक व्यापारिक सौदों में परिवर्तित होने की संभावना है। खंडेलवाल ने बताया कि बीवीएम 2026 की एक प्रमुख विशेषता इसकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी रही। इस व्यापार महोत्सव में 23 देशों के 347 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अफ्रीका, यूरोप, एशिया-प्रशांत, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका के देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने कहा कि महोत्सव में 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय ब्रांड प्रतिनिधियों और वैश्विक बाइंग हाउसेज़ की उपस्थिति भी विशेष आकर्षण रही।

टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स का आईपीओ 20 अगस्त को खुलेगा, मूल्य दायरा 285-300 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 20 अगस्त को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 24 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। एंकर निवेशक 19 अगस्त को बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 285-300 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड के 650 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में करीब 95 करोड़ रुपये के नए शेयर तथा 1.85 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। निवेशक इसमें कम से कम 50 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 50 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं।कंपनी की योजना इस इश्यू से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने, कर्ज चुकाने और कंपनी के सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा। कंपनी का शेयर 28 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। वर्ष 1990 में स्थापित टेम्पसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड एक प्रमुख थर्मल इंजीनियरिंग और विशेष केबल समाधान प्रदाता कंपनी है। कंपनी 31 मार्च तक भारत में फाइबर ऑप्टिक टेम्परेचर सेंसर और थर्मल प्रोफाइलिंग सिस्टम बनाने वाली एकमात्र कंपनी भी है, और फिस्कल ईयर 2026 में भारत में पाइरोमीटर और ऑनलाइन थर्मल इमेजर बनाने वाली एकमात्र कंपनी है।

सनी देओल का दर्शकों को दोहरा तोहफा, बंटवारा 1947 के साथ दिखाया गबरू का टीजर

स सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जिन लोगों ने फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख किया, उन्हें अभिनेता की ओर से 2 तोहफे नसीब हुए हैं। दरअसल, बंटवारा 1947 की रिलीज से पहले, सनी की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म गबरू का टीजर दिखाया गया। टीजर देखने के बाद यह दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, और लोग फिल्म को लेकर उत्साहित हो गए हैं। दरअसल, सनी देओल 'गबरू नाम की एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं. 'बंटवारा 1947 के साथ इसका टीजर अटैच किया गया. कई सिनेमाघरों में ऑडियंस को 'गबरू की झलक देखने को मिली. जहां अपनी लेटेस्ट फिल्म में सनी पाजी एक्शन अवतार में नजर आए हैं, तो वहीं 'गबरू का जो टीजर दिखाया गया है उसमें उनका थोड़ा लाइट वर्जन दिखाया गया है. टीजर में फैमिली फिल्म की वाइब आती है. सोशल मीडिया यूजरों ने गबरू का टीजर साझा किया, जो ऑनलाइन वायरल हो रहा है। जहां बंटवारा 1947 में अभिनेता विभाजन के उथल-पुथल दौर में दिखते हैं, तो वहीं गबरू में उन्हें एक हल्के-फुल्के, गर्मजोशी और ज्यादा आकर्षक अंदाज में दिखाया गया है। शशांक उदपुरकर द्वारा निर्देशित और विशाल राणा द्वारा निर्मित यह एक एक भावनात्मक ड्रामा है, जिसमें रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी और सलमान खान का कैमियो होगा। फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है। बता दें कि 'गबरू की कहानी शशांक उदापुरकर ने लिखी है और उन्होंने ही फिल्म को डायरेक्ट किया है. अभी पिक्चर की रिलीज डेट का ऐलान होना बाकी है. सिनेमाघरों में जो टीजर दिखाया गया उसमें भी रिलीज डेट के बारे में नहीं बताया गया. देखना होगा कि मेकर्स कब तक रिलीज डेट की घोषणा करते हैं. इस फिल्म में रकुलप्रीत सिंह भी नजर आने वाली हैं. मेकर्स ने 'बंटवारा 1947 के जरिए सिनेमाघरों में तो 'गबरू का टीजर दिखा दिया है, लेकिन अभी डिजिटली टीजर रिलीज नहीं किया गया है. फैंस को यूट्यूब पर भी टीजर रिलीज होने का इंतजार है.

सामंथा रुथ प्रभु की 100 करोड़ी फिल्म मां इंटी बंगारम सोनी लिव पर हिंदी में हुई रिलीज

सा सामंथा रुथ प्रभु की एक्शन ड्रामा फिल्म मां इंटी बंगारम ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करके ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। यही नहीं, इसने तेलुगु सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्मों की सूची में कब्जा जमाया और अब हिंदी भाषा के साथ आ चुकी है। हिंदी पट्टी के दर्शक, जो इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वो इसे ओटीटी पर घर बैठे देख सकते हैं। मूल रूप से तेलुगु भाषा वाली मां इंटी बंगारम का हिंदी संस्करण सोनी लिव पर स्ट्रीम हुआ है। प्लेटफॉर्म ने पोस्ट के साथ रिलीज का ऐलान करते हुए लिखा, एक परिवार.. एक राज.. और एक बंगाराम बहू, जो सब बदल देगी। एक्शन क्वीन सामंथा की मां इंटी बंगारम (हिंदी) अब सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है। बी वी नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर में गुलशन देवैया और दिगंत मंचले भी अहम किरदारों में मौजूद हैं। सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का हिंदी में सीधा मतलब होता है हमारे घर का सोना। फिल्म की शुरुआत एक बेहद साधारण, शांत और पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा की तरह होती है, जहां स्वर्णा अपनी शादी के बाद एक बेहद पारंपरिक और सीधे-सादे परिवार की बहू बनकर आती है। परिवार वाले उसे बहुत ही मासूम और घरेलू लड़की समझते हैं। लेकिन कहानी में असली रोमांच और बड़ा ट्विस्ट तब आता है, जब स्वर्णा के पुराने अतीत के कुछ गहरे और खतरनाक राज सामने आते हैं। जब कुछ बाहरी ताकतें उसके नए परिवार को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती हैं, तो परिवार की रक्षा के लिए स्वर्णा का एक खूंखार और जानलेवा रूप बाहर आता है। साड़ी पहने हुए सामंथा को स्क्रीन पर बड़े-बड़े गुंडों की हड्डियां तोड़ते और रोंगटे खड़े कर देने वाले स्टंट करते देखना दर्शकों के लिए सबसे बड़ा सरप्राइज साबित हुआ है। शुरुआत में हल्के-फुल्के पल देने वाली यह फिल्म अंत तक आते-आते एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर का रूप ले लेती है।इस फिल्म ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तहलका मचाया है। सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मां इंटी बंगारम' ने अपनी लागत से पांच गुना ज्यादा की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दर्ज की। अनुष्का शेट्टी स्टारर 'अरुंधति' जैसी कालजयी फिल्म को पीछे छोड़ते हुए यह अब तेलुगु सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्म बन चुकी है। फिल्म की इस जबरदस्त सफलता और दर्शकों के क्रेज को देखते हुए इसके मेकर्स ने एक और बड़ा धमाका किया है। फिल्म के मशहूर लेखक और क्रिएटर राज निदिमोरु, जो 'द फैमिली मैन' और 'फर्जी' जैसी सुपरहिट वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने आधिकारिक पुष्टि की है कि 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल यानी भाग 2 भी बनाया जाएगा।यह फिल्म सामंथा के करियर के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुई है। एक लंबे ब्रेक के बाद तेलुगु सिनेमा में उनका यह कमबैक तो धमाकेदार रहा ही है, साथ ही उन्होंने इस फिल्म के जरिए प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रखा है। इस फिल्म का निर्माण सामंथा के अपने प्रोडक्शन बैनर 'ट्रालाला मूविंग पिक्चर्स' के तहत किया गया है। फिल्म में संतोष नारायणन का बैकग्राउंड म्यूजिक और राज-डीके की बेहतरीन स्क्रिप्टिंग ने इसे एक परफेक्ट थिएटर मटेरियल के साथ-साथ शानदार ओटीटी फिल्म भी बना दिया है जिसे हिंदी पट्टी के दर्शक अब आसानी से घर बैठे देख सकते हैं।

यश की टॉक्सिक को बिना किसी कट के मिला ए सर्टिफिकेट, रन टाइम 194 मिनट और 12 सेकंड

सा साउथ सुपरस्टार यश की टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म 26 अगस्त को रिलीज होगी. यश जोरों-शोरों से फिल्म के प्रमोशन में लगे हैं. फिल्म में कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, नयनतारा जैसी एक्ट्रेसेस भी नजर आएंगी. फिल्म के कन्नड़ वर्जन का सेंसर प्रोसेस पूरा हो गया है.

ऑफिशियल सेंसर सर्टिफिकेट का हवाला देने वाली रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से ए सर्टिफिकेट मिला है. रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी के बेंगलुरु रीजनल ऑफिस ने फिल्म के कन्नड़ वर्जनको सर्टिफिकेट दे दिया. फिल्म का रन टाइम 194 मिनट और 12 सेकंड है. इसका मतलब फिल्म 3 घंटे 14 मिनट और 12 सेकंड लंबी है. इस फिल्म को गीतू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है. वहीं वेंकेट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शन के तहत फिल्म को प्रोड्यूस किया है. यश भी फिल्म को को-प्रोड्यूसर हैं. फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में लिखा गया और शूट किया गया है. वहीं हिंदी, तेलुगू, तमिल और मलयालम में फिल्म को डब किया गया है. फिल्म में यश लीड रोल में हैं. वहीं नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मणि वसंत, अक्षय ओबेरॉय, बालाजी मनोहर और सुदेव नायर जैसे स्टार्स फिल्म में नजर आएंगे. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर को मिक्स रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की कहानी एक गैंगस्टर के बारे में है. फिल्म के ट्रेलर में काफी खूब खराबा देखने को मिला. यश के फिल्म में डबल रोल में होने की भी खबरें हैं. फिल्म में कियारा को भी बोल्ड अवतार में देखा गया. कियारा और यश की केमिस्ट्री को पसंद किया गया. हालांकि, इंटिमेट सीन को लेकर कियारा ट्रोल भी हुई. बता दें कि इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म पहले मार्च में रिलीज होने वाली थी. फिल्म का आदित्य धर की धुरंधर के साथ क्लैश था. हालांकि, फिर इस फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया. फिल्म की रिलीज पोस्टपोन को लेकर यश ने रिएक्ट किया था. उन्होंने बातचीत में कहा था, मैंने इस फिल्म को समय लेकर रिलीज करने का फैसला किया है. शायद ये मेरे फैंस को पसंद न आए. वो नाराज हों. क्योंकि फिल्म की शूटिंग खत्म होते ही लोग उसके बारे में लिखने लगते हैं. लोग फिल्म को देखना चाहते हैं. फिल्म में बहुत पैसा लगा है. लेकिन मुझे भरोसा है कि हम जो कर रहे हैं लोग उसे समझेंगे. अब लंबे अरसे के बाद फिल्म थिएटर में रिलीज होगी और इस फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं. इसके अलावा यश को नितेश तिवारी की रामायण में देखा जाएगा. यश फिल्म में रावण के रोल में नजर आएंगे. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है.

अभिनेता शाहिद कपूर की फिल्म कॉकटेल 2 ने ओटीटी पर दी दस्तक नेटफ्लिक्स पर हुई स्ट्रीम

शा शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना जैसे सितारों से सजी फिल्म 'कॉकटेल 2 अब सिनेमाघरों के बाद दर्शकों के लिए डिजिटल मंच पर उपलब्ध हो गई है। होमी अदाजानिया के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 14 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित की जा रही है। फिल्म के डिजिटल प्रसारण का इंतजार कर रहे दर्शक अब इसे घर बैठे देख सकेंगे। 'कॉकटेल 2 वर्ष 2012 में आई इसी नाम की चर्चित फिल्म का अगला भाग है। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। प्रेम, रिश्तों और भावनाओं पर आधारित इस कहानी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी। 'कॉकटेल 2 ने 19 जून को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ने घरेलू और विदेशी बाजार को मिलाकर दुनियाभर में लगभग 143.59 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद अब फिल्म को डिजिटल मंच पर दर्शकों के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। फिल्म के डिजिटल प्रसारण की घोषणा नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक माध्यम से की। दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मंच ने लिखा, "दो लोगों का जोड़ा बनता है और तीन लोगों का कॉकटेल!" साथ ही दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए बताया गया कि 'कॉकटेल 2 14 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। जिन दर्शकों ने 'कॉकटेल 2 को सिनेमाघरों में नहीं देखा है, उनके लिए अब इसे घर पर देखने का मौका है। नेटफ्लिक्स की सदस्यता लेने वाले दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार फिल्म का आनंद उठा सकते हैं।

फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना की मौजूदगी इसे दर्शकों के लिए खास बनाती है। रोमांटिक कहानी, प्रेम के उलझे रिश्तों और तीन प्रमुख किरदारों के बीच बनने वाले भावनात्मक समीकरणों पर आधारित 'कॉकटेल 2 से दर्शकों को एक बार फिर मनोरंजन और रोमांस का अनुभव मिलने की उम्मीद है। फिल्म की इस शानदार सफलता के पीछे इसके गानों और संगीत का भी एक बहुत बड़ा हाथ रहा है। संगीतकार प्रीतम द्वारा तैयार किया गया इसका एल्बम रिलीज होते ही चार्टबस्टर साबित हुआ, जिसके रोमांटिक और पार्टी ट्रैक्स सोशल मीडिया रील्स पर लगातार ट्रेंड कर रहे हैं। साल 2012 की मूल फिल्म 'कॉकटेल' के गानों की तरह ही इसके सीक्वल के संगीत ने भी युवाओं के दिलों में एक खास जगह बना ली है। फिल्म समीक्षकों के अनुसार, निर्देशक होमी अदाजानिया ने आज के दौर के आधुनिक रिश्तों, प्यार की उलझनों और दोस्ती के बीच के बारीक अंतर को बहुत ही संवेदनशीलता और खूबसूरती के साथ पर्दे पर उतारा है।इसके अलावा, स्क्रीन पर शाहिद कपूर और कृति सैनन की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, जबकि रश्मिका मंदाना का चुलबुला और भावनात्मक किरदार कहानी में एक नया मोड़ लेकर आता है। इन तीनों कलाकारों के बीच का ऑन-स्क्रीन तालमेल और बेहतरीन अभिनय ही इस त्रिकोणीय प्रेम कहानी की असली जान है। थिएटर के बाद अब नेटफ्लिक्स पर आते ही इस फिल्म को डिजिटल दर्शकों की तरफ से भी काफी शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है और यह प्लेटफॉर्म के टॉप ट्रेंडिंग सेक्शन में शुमार हो गई है। फिल्म विशेषज्ञों का मानना है कि ओटीटी पर आने से इस फिल्म की पहुंच उन दर्शकों तक भी हो गई है जो सिनेमाघरों में इसे देखने से चूक गए थे।

फिल्म डीसी ने एक हफ्ते में लूट लिया बॉक्स ऑफिस, बना डाला बड़ा रिकॉर्ड

लो लोकेश कनगराज की फिल्म डीसी ने सिनेमाघरों में कहर बरपा दिया है. यहां तक कि स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे के आगे भी इसने सिनेमाघरो में हर दिन करोड़ों छापे हैं. दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म ने रिलीज के महज 4 दिनों में ही अपनी लागत वसूल कर ली थी और अब ये दबाकर मुनाफा बटोर रही है. वहीं इसने कमाई करते हुए सिनेमाघरो में एक हफ्ता पूरा कर लिया है और एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. चलिए यहां इसके ओपनिंग वीक का कलेक्शन जानते हैं. बता दें कि डीसी से लोकेश कनगराज ने एक्टिंग में डेब्यू किया है. फिल्म में वामिका गब्बी ने भी अहम रोल प्ले किया है. इस तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 4.4 करोड़ रुपये की नेट कमाई के साथ ओपनिंग की थी. फिर पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के चलते इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर

ओपनिंग वीकेंड में कुल 20.95 करोड़ रुपये की नेट कमाई की. फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में अच्छी रफ्तार बनाए रखी, बस गुरुवार को थोड़ी गिरावट देखी गई. पहले गुरुवार को इसकी कमाई घटकर 3.9 करोड़ रुपये रह गई. इसी के साथ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ते के बाद फिल्म की कुल नेट कमाई 41.65 करोड़ रुपये हो गई है जबकि इसकी कुल ग्रॉस कमाई 49.14 करोड़ रुपये रही है.

बता दें कि डीसी ने रिलीज के पहले वीक में 41.65 करोड़ के कुल नेट कलेक्शन के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. दरअसल लोकेश कनगराज की ये फिल्म साल 2026 में कॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वीक वाली फिल्म बन गई है. यह सिफर्. जना नायकन और करुप्पु से पीछे है. बता दें कि डीसी ने रिलीज के पहले वीक में 41.65 करोड़ के कुल नेट कलेक्शन के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.

दीवार का पेंट उखड़ रहा है ? इन 5 तरीकों से आप उसे कर सकते हैं ठीक

दी दीवारों पर पेंट उखडना एक आम समस्या है, खासकर अगर दीवारें नमी से प्रभावित हों। यह न केवल देखने में खराब लगता है, बल्कि दीवारों की उम्र को भी कम कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और अपनी दीवारों को नया जैसा बना सकते हैं। ये सभी तरीके आसानी से अपनाए जा सकते हैं और सस्ते भी हैं। सबसे पहले प्रभावित क्षेत्र को साफ करना जरूरी है। इसके लिए एक स्पंज या ब्रश का उपयोग करें और उस जगह को अच्छी तरह से साफ करें, जहां से पेंट उखड़ रहा हो।

अगर वहां पर कोई गंदगी या धूल-मिट्टी जमा हो तो उसे हटाएं। इससे पेंट लगाने में आसानी होगी और नया पेंट अच्छी तरह से चिपकेगा। इस प्रक्रिया से दीवार की सतह भी तैयार हो जाएगी, जिससे पेंट का असर बेहतर होगा। नमी दीवारों के उखडने का मुख्य कारण होती है, जो सीलन पैदा करके उन्हें कमजोर भी

कर सकती है। इसके लिए कमरे में हवा का प्रवाह बढ़ाएं, ताकि ताजगी बनी रहे और नमी कम हो। इसके अलावा दीवारों पर हवा आने-जाने का ध्यान रखें, ताकि नमी बाहर निकल सके। इस तरह आप अपनी दीवारों को सुरक्षित रख सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं। पेंट लगाने से पहले प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है। प्राइमर एक आधार तैयार करता है, जिससे नया पेंट अच्छी तरह से चिपकता है और लंबे समय तक टिकता है। यह न केवल पेंट की गुणवत्ता बढ़ाता है, बल्कि दीवारों को मजबूत भी बनाता है। प्राइमर लगाने से पहले दीवारों को अच्छी तरह से साफ करें और सूखने दें। इसके बाद ही नए पेंट को लगाएं, ताकि वह सही तरीके से जम सके और दीवारें सुंदर दिखें। दीवारों के लिए सही पेंट चुनना अहम है। ऐसे पेंट का चयन करें, जो नमी से बचाने वाला हो और जल्दी सूख जाए। बाजार में कई प्रकार के नमी-रोधी पेंट उपलब्ध हैं, जिनमें पानी पर आधारित और तेल पर आधारित पेंट शामिल होते हैं। पानी पर आधारित पेंट ज्यादा बेहतर माने जाते हैं, क्योंकि ये जल्दी सूखते हैं और दीवारों को लंबे समय तक नया जैसा रखते हैं। इसके अलावा ये पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होते हैं। एक बार जब आपने अपनी दीवारों पर नया पेंट लगा दिया हो तो नियमित अंतराल पर उसकी जांच करना जरूरी है। अगर कहीं पर कोई छोटा-सा हिस्सा उखड़ता हुआ दिखे तो उसे तुरंत ठीक करें, ताकि समस्या बड़ी न हो सके। इसके अलावा समय-समय पर दीवारों की सफाई भी करते रहें, ताकि उनका रूप-रंग बरकरार रहे। इस तरह आप अपनी दीवारों को हमेशा खूबसूरत और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

Government seeks stakeholder comments on nuclear rules and regulations

New Delhi, Agency : The government has proposed a detailed licensing and safety framework for expanding atomic power, including insurance or financial security or a combination of both, for nuclear damage, as it seeks to scale clean energy by allowing private and foreign participation in the nuclear sector under the SHANTI Act.

The government released the draft SHANTI Rules, 2026 and SHANTI Regulations, 2026, on Friday for public consultation, providing separate but linked frameworks for licensing and safety authorisation. While the Rules deal with licensing of nuclear and related activities, the Regulations set out detailed safety requirements at different stages of a facility's life. The Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India (SHANTI) Act, enacted in Dec last year, replaced the Atomic Energy Act of 1962 and Civil Liability for Nuclear Damage Act of 2010, providing a new framework for safety, licensing and liability in the nuclear sector.

India has set a target of 100 GW of nuclear capacity by 2047, from 8.8 GW currently. The government has also targeted around 22 GW by 2031-32 as part of its Nuclear Energy Mission.

Under the proposed Rules, prospective operators can seek an "in-principle approval" even before selecting a site or technology, allowing them to negotiate with reactor technology vendors and acquire land and other infrastructure. The approval would not amount to a final licence and can be revoked on grounds including public interest, national security, public health and safety, or misrepresentation or suppression of material facts.

The rules also allow a single composite licence for building, owning, operating and decommissioning nuclear plants. The licence can cover electricity generation, captive generation, hydrogen production, research and other peaceful applications, with captive nuclear power specifically recognised for energy-intensive industries, data centres, semiconductor manufacturing and AI applications.

For reactors based on foreign designs, the Rules require the design to be approved or certified by the regulatory authority in the country of origin and the reactor to be operational either there or in another foreign country. The country of origin must have a self-reliant nuclear reactor design and supply-chain ecosystem and globally trusted regulatory approvals. The rules require the licensee to obtain design approval and safety authorisation from the Atomic Energy Regulatory Board (AERB) for siting, construction, commissioning, operation and decommissioning.

E coli found in drinking water, rail stations lack basic facilities: CAG

New Delhi, Agency : Comptroller and Auditor General has flagged gaps in sanitation and minimum essential amenities at 458 out of 512 railway stations, including presence of E coli bacteria in water coolers at eight stations. The CAG report on "passenger amenities and sanitation at non-suburban railway stations", presented in Parliament last week, said bacteriological analysis of drinking water was not carried out at 59 stations in six zones.

"Water sample from water coolers was positive for E coli at two stations (Coimbatore and Palakkad junctions) in Southern Railway, one station (Hyderabad) in South Central Railway, four stations (Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus, Bhiwandi Road, Kalyan and Lonavala) in Central Railway, and one station (Madhupur) in Eastern Railway," the report said.

It said the results of drinking water samples collected from taps at 49 stations in eight zones during 2022-23 and 56 stations in nine zones during 2023-24 indicated presence of coliforms bacteria. Following the CAG report, railway minister Ashwini Vaishnaw and top officials held a review meeting. In a statement, Railways said a new "Tank to Tap" water filtration system will be implemented at 20,000 locations.

'Warm goodbye to the party I love': Shehzad Poonawalla resigns from BJP 'once again'

New Delhi, Agency: BJP leader Shehzad Poonawalla has once again submitted his resignation from all party posts, urging the party to accept it after his earlier resignation was rejected.

In a post on X, Poonawalla said he had "once again submitted" his resignation letter to BJP president Nitin Nabin and requested that it be accepted. He expressed gratitude to the BJP and its senior leaders, including Prime Minister Narendra Modi, Union Home Minister Amit Shah, Defence Minister Rajnath Singh, Union Minister Nitin Gadkari, JP Nadda and BL Santhosh, for their guidance and support.

Poonawalla said he was "eternally grateful" for the

opportunities and platform provided to him by the BJP and the larger Sangh Parivar.

"In no other country and no other party would a story like mine, of a young, Pasmanda Muslim, non dynast, even be possible," he said. Poonawalla had earlier tendered his resignation from all party posts, but the BJP had not accepted it.

"Please read this letter in continuation with my last letter dated 30th of July 2026, where I offered to resign unconditionally from all positions and primary membership of the BJP due to pressing financial and personal circumstances. It was extremely touching and I am indeed grateful that the party refused to accept my resignation letter immediately and requested me to reconsider the decision. But after long and hard contemplation, I have arrived at a final decision that I would like to press for relieving me from my role as National Spokesperson and active primary membership of the BJP," Poonawalla said in his resignation letter.

Slugfest over Congress's P Chidambaram's 'dimagi Naxal' post

New Delhi, Agency: PM Modi's 'dimagi Naxal' remark on August 15 became the subject of a political slugfest Sunday, with Congress's P Chidambaram saying he was "proud to be a dimagi Naxal" to which BJP replied that the ex-home minister's remark shows how UPA govt was run.

Union minister Kiren Rijiju said the PM was not referring to the opposition. "Only following are Dimagi Naxals: 1. Who support Maoists and reject Indian Constitution. 2. Who stand with separatists & support Article 370. 4. Who want to cut chicken neck to separate North-East from India," he said on X. tnn

Congress Rajya Sabha MP Pawan Khera responded on X: "Brother Kiren Rijiju, get your counting right first, then we'll answer. After 1 and 2 comes 3, not 4."

BJP ally TDP MP and former IPS officer Tenneti Krishna Prasad backed PM's "dimagi Naxals" remarks, saying a new form of "intellectual Naxalism" has emerged. "The forest Naxalites and Maoists have been removed from forests; now this new form has emerged. Therefore, we have to remain extremely vigilant and protect our country, especially our youth," he said in a video statement, according to news agency PTI.

In an apparent reference to Rahul Gandhi, Tenneti Krishna said, "Today, forest Naxalites have gone, and a new form has emerged. I call them 'intellectual Naxalites'. They do not operate in forests; they operate in cities. They organise seminars in air-conditioned halls.

BJP MP Ravi Shankar Prasad said Chidambaram "has become the face of the Congress ecosystem which nurtures Maoism". He recalled that as home minister, Chidambaram had expressed willingness to hold talks with Naxals when they had killed 76 security personnel, while JNU had witnessed an event lauding the killers. Under Modi govt, Maoism has not only been finished off but national flag is also flying in former strongholds of Maoists, he said.

BJP also kept up its attack on Congress for allegedly insulting national song Vande Mataram, with BJP president Nitin Nabin, saying bowing to fundamentalist forces has become a permanent policy of Congress. Besides the attempt by Sonia Gandhi to "stop" the recital of Vande Mataram's full version at Congress headquarters, its govt in Kerala removed the song altogether from the Independence Day event, he said.

Centre orders corrective measures after CAG flags unsafe drinking water at railway stations

New Delhi, Agency : Railway ministry on Sunday ordered corrective measures to ensure safe drinking water at railway stations following a CAG report on drinking water quality. After a whole-day review by Railway Minister Ashwini Vaishnaw and other senior officials, the ministry ordered the installation of a "Tank to Tap" water filtration system at railway stations. The ministry said water coolers and a comprehensive water filtration and monitoring system will be installed at 20,000 locations across the railway network.

The government also ordered the replacement of water tanks and strict compliance with water testing, accountability and scheduled cleaning.

"This is a top priority area and will be monitored directly at the Board level. Progress and water quality reports will be published periodically to ensure transparency," the railway ministry said.

NTA admits errors, orders fresh NET for 3 subjects

New Delhi, Agency : National Testing Agency (NTA) on Sunday acknowledged that the UGC-NET papers in English, Commerce and Sociology had multiple errors and repeated questions, and said the defects were too extensive to be addressed simply by dropping questions after the answer-key challenge process. It has ordered fresh examinations for all three subjects. The re-tests will be held on September 9 and 10. English will be conducted from 9am to noon on September 9, Commerce from 3pm to 6pm the same day, and Sociology from 9am to noon on September 10. No additional examination fee will be charged.

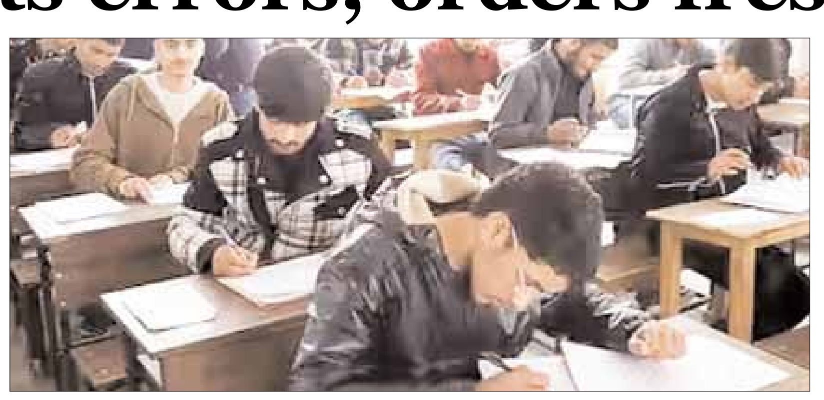

The decision came hours after NTA released provisional answer keys for 84 of the 87 UGC-NET subjects but withheld the keys for these three papers, nearly seven weeks after the June examination.

NTA said a committee set up after receiving "several complaints" found "many factual, typographical, translation errors", including misspelt names of prominent scholars, garbled book titles, wrongly worded questions, grammatical and punctuation mistakes and non-standard terms used for established concepts. The committee also found repetition of a "significant number" of questions previously asked.

The agency said papers carrying defects of this extent did not meet the standards of a fair and error-free examination and that the problems could not be corrected merely by dropping questions after challenges were received.

Media had on July 1 reported complaints over the Sociology and English papers. Sociology candidates alleged that the June 30 paper contained spelling and grammatical errors, mangled names of well-known thinkers, poor Hindi translations and questions apparently unrelated to the prescribed syllabus. Some also alleged that parts of the paper appeared AI-generated.

Candidates had pointed out that "Ritzer" appeared as "Putzer", "Parsons" as "Parsow", "Ghurye" as "Ghunye" and A R Desai as "A K Desai", among several other errors. The English paper had also come under scrutiny after candidates alleged that 67 of its 150 questions were identical to questions asked in the 2024 examination, with even the sequence of answer options reportedly unchanged. Complaints over repetition were subsequently raised in Commerce as well.

The episode comes two years after the June 2024 UGC-NET was cancelled a day after it was held following inputs received by UGC from the National Cyber Crime Threat Analytics Unit under the home ministry indicating that the integrity of the examination may have been compromised. The test was subsequently conducted afresh.

BRIFF NEWS

Barrierless tolling makes road users fall in line, drop in number of e-notices at plazas

New Delhi, Agency : After earlier uncertainty, there are now clear indications that barrierless tolling on national highway (NH) stretches, coupled with e-notices for violations, is inculcating greater discipline among road users.

At Choryasi toll plaza on NH-48 in Gujarat, the first to go live, e-notices fell from 1.7 lakh in May to 1.1 lakh in June and further to 92,240 in July. Mundka toll plaza in Delhi, which went live on May 10, recorded 1.69 lakh e-notices in June, with a marginal decline to 1.67 lakh in July.

Multilane free flow (MLFF), or barrierless tolling, is currently operational at five toll plazas. It was rolled out at Daulatpura on Delhi-Jaipur highway and Gharaunda on Delhi-Chandigarh highway in the third and fourth week of June, respectively. Manoharpura on Delhi-Jaipur highway was the latest to go live, on July 1. Data show that e-notices issued during the first month of MLFF operations at Daulatpura, Gharaunda and Manoharpura were significantly lower than those issued when the system was launched at Choryasi and Mundka. Daulatpura issued 33,038 e-notices in July, while Gharaunda and Manoharpura recorded 86,760 and 70,550, respectively.

Govt to allow trading of major minerals on exchange from next financial year

New Delhi, Agency: Aiming to bring greater transparency to the trading of major minerals and improve price discovery, govt has decided to allow their trading on an exchange, which is likely to become functional by the next financial year.

The ministry of mines has notified the rules, and the Indian Bureau of Mines has been appointed the nodal agency and regulator to invite applications from companies willing to run the exchange. The exchange is initially likely to allow trading in some of the major minerals, including iron ore, bauxite, limestone and manganese. The ministry of coal has separately notified rules to set up an exchange for trading in coal and appointed the Coal Controller Organisation as the regulator. The CCO has invited applications from companies to set up an exchange.

According to officials, the minerals exchange is expected to improve market access and reduce disputes over quality, pricing and contract terms.